



मुख्यमंत्री ने इको लर्निंग सेंटर दुधावा और इको पर्यटन स्थल कोडार का किया लोकार्पण

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर्यटन स्थल को बढ़ावा देने के लिए उत्तर बस्तर कांकेर में दुधावा डेम पर निर्मित इको लर्निंग सेंटर और महासमुंद जिले में कोडार जलाशय पर निर्मित इको पर्यटन स्थल का वर्चुअल लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर संबंधित क्षेत्र की वन प्रबंधन समिति को वन क्षेत्र में जलाशय के पास खुबसूरत पर्यटन क्षेत्र विकसित करने के लिए बधाई देते हुए कहा कि इससे स्थानीय लोगों को रोजगार भी उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि इन स्थलों पर पर्यटक आकर्षित और कुदरत का नजारा देख सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दोनों पर्यटन स्थल जन सामान्य में वन्यजीव और जैव विविधता की जानकारी देने के साथ ही पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करने में अवश्य सफल होंगा।

इको पर्यटकों स्थल वन चेतना केन्द्र कोडार में 39 लाख 14 हजार रूपए का कार्य किया जा चुका है और 40 लाख रूपए का कार्य प्रगति पर है। वर्तमान में पहुँच मार्ग उन्नयन, वाटर सप्लाई सिस्टम, मचान, ट्री



हाउस, नेचर ट्रेल, बर्ड वाचिंग और मोटर बोट की सुविधा के विकास कार्य प्रगति पर है। पर्यटकों को लुभाने के लिए यहां वन परिवेश में रहने और साहसिक शिबिर आयोजित करने की सुविधा उपलब्ध है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा पुरातत्व निर्मित सिरपुर में मार्च 2021 में रामवनगमन पथ के अंतर्गत पर्यटन विकास के लिए की गई घोषणा के अंतर्गत वन चेतना केन्द्र कोडार का विकास इको पर्यटन स्थल के रूप में किया गया है। वन चेतना केन्द्र कोडार राजधानी रायपुर के 65 किलोमीटर, महासमुंद मुख्यालय से 17 किलोमीटर और सिरपुर नगरी से

20 मीटर की दूरी पर नेशनल हाईवे क्रमांक 53 पर स्थित है। यहां पर्यटकों की सुविधा के लिए एडवेंचर, मनोरंजन, स्वास्थ्य लाभ, संस्कृति पर्यावरण संचेतना और स्थानीय रोजगार के विकास का अद्भुत समागम प्रस्तुत किया गया है। यहां पर्यटकों के ठहरने के लिए नाईट कैम्पिंग, कैम्प फॉर एव स्टार गेजिंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। मनोरंजन के लिए बॉलीबाल, नेट क्रिकेट, बैडमिंटन, कैरम, शतरंज, निशाणाबाजी की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही नौका विहार, बैम्बू राफ्टिंग और पर्यटकों के स्वागताहार के लिए स्थानीय छत्तीसगढ़ी व्यंजन और सुपाच्य भोजन की व्यवस्था उपलब्ध है। ऊंची-ऊंची पहाड़ियों के

बीच से घिरे जलाशय स्थल पर सन्सेट देखने का सुकून भरा अनुभव, सेल्फी जॉन एवं फिशिंग का आनंद पर्यटकों द्वारा लिया जा सकेगा। इस केन्द्र में जिले के स्व सहायता समूहों द्वारा बनाए उत्पादों और संजीवनी के उत्पादों के विक्रय की सुविधा का विकास भी किया जा रहा है। स्थल के समीप खल्लारी माता का मंदिर स्थित है, जहां पर्यटकों द्वारा दर्शन भी किया जा सकता है। जिला खनिज न्यास संस्थान मद, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, विधायक निधि और वन विभाग के पर्यावरण वानिकी मद के अभिसरण से पोषित, प्रकृति की गोद में स्थिति इको पर्यटन केन्द्र के इस केन्द्र में न्यूनतम निर्माण

कार्य किए गए हैं। वनों की प्राकृतिक सुंदरता को बनाए रखते हुए जन सामान्य में वन चेतना का संचार करने का प्रयास किया जा रहा है।

कांकेर जिले के दुधावा जलाशय में स्थित इको लर्निंग सेंटर का संचालन वन प्रबंधन समिति द्वारा किया जाएगा। यह पर्यटन स्थल मुख्यमंत्री की प्रेरणा के गढ़बो नवा कांकेर के रूप में विकसित किया गया है, जहां पर्यटकों के ठहरने, खान-पान के लिए रेस्टोरेंट, एडवेंचर के लिए दो मोटर बोट से शुरू किया जा रहा है। इसके साथ ही यहां पर ट्रेकिंग की व्यवस्था भी की गई है। इस केन्द्र में प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इस स्थल को इको पार्क के रूप में विकसित किया जाएगा। मुख्यमंत्री को केन्द्र के उद्घाटन के अवसर पर वन प्रबंधन समिति के अध्यक्ष देवचंद भास्कर ने बताया कि यहां की सुंदरता को देखकर पर्यटक आकर्षित होंगे। इससे हमें आशा है कि सेंटर खोलने से लोगों को रोजगार मिलेगा। ग्राम पंचायत दुधावा की सरपंच श्याम नेताम ने कहा कि इस क्षेत्र को इतने सुंदर ढंग से विकसित किया है कि ऐसा लगता है कि हम मिनी गोवा आ गए हैं।

छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों की बढ़ रही पहचान, आने लगे हैं विदेशी मेहमान

तीन साल में ढाई करोड़ से अधिक पर्यटकों ने देखी छत्तीसगढ़ की खूबसूरती



पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ की खूबसूरती न सिर्फ देश के पर्यटकों को भा रही है, अपितु सात-समंदर पार विदेशी पर्यटकों को भी अपनी ओर खींच ला रही है। ऐतिहासिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और पुरातात्विक धरोहरों के साथ प्राकृतिक विविधताओं से परिपूर्ण छत्तीसगढ़ का पर्यटन देश में अपनी पहचान स्थापित करता जा रहा है। यहाँ की खूबसूरती को करीब से निहारने के लिए पर्यटकों का लगातार छत्तीसगढ़ आना हो रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और पर्यटन मंत्री प्रमध्वज साहू के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के पर्यटन को लगातार बढ़ावा देने के परिणामस्वरूप पर्यटन के नक्शे पर छत्तीसगढ़ उभर रहा है। राज्य में आने वाले पर्यटकों की संख्या को देखे तो विगत 3 साल में यहाँ ढाई करोड़ से अधिक पर्यटक आए। घरेलू पर्यटकों के अलावा 9145 विदेशी पर्यटकों ने भी छत्तीसगढ़ की खूबसूरती देखी।

अक्टूबर से मार्च का मौसम पर्यटकों को खींच लाता है पर्यटन स्थल तक

राज्य में सरगुजा से लेकर बस्तर तक पर्यटन स्थल है। इन पर्यटन स्थलों पर वैसे तो हर माह पर्यटकों का आना जाना लगा होता है। लेकिन पर्यटन विभाग के आंकड़ देखे तो स्पष्ट होता है कि अक्टूबर से लेकर मार्च के मौसम में पर्यटकों के आने का सिलसिला कभी-कभी 10 लाख से भी ऊपर पहुँच जाता है। 2019 से 2021 के बीच पर्यटकों की संख्या देखे तो कुल 2 करोड़ 54 लाख 11 हजार 440 घरेलू और 9145 विदेशी पर्यटकों का आगमन हुआ। साल 2019 में कुल 131 पर्यटन स्थलों में 1 करोड़ 73 लाख घरेलू और 6817 विदेशी पर्यटक छत्तीसगढ़ आये। इसमें जनवरी माह में 2 लाख 35 हजार से अधिक, फरवरी माह में 1 लाख 67 हजार से अधिक और मार्च में 1 लाख 33 हजार से अधिक पर्यटक आए। अप्रैल में 1 लाख 28 हजार, मई में 1 लाख 31 हजार, जून में 1 लाख 27 हजार, जुलाई में 1 लाख 34 हजार, अगस्त में 1 लाख 42 हजार, सितम्बर में 1 लाख 34 हजार, अक्टूबर में लगभग 2 लाख, नवंबर में 6 लाख 66 हजार और दिसम्बर में 1 लाख 27 हजार से अधिक पर्यटक आए।

गुफाओं एवं शैल चित्रों से परिपूर्ण

भारत के हृदय स्थल में स्थित छत्तीसगढ़ प्राचीन स्मारकों, बौद्ध स्थलों, दुर्लभ वन्य प्राणियों, नक्ष णीदार मंदिरों, राजमहलों, गुफाओं एवं शैलचित्रों से भी परिपूर्ण है। उत्तर से लेकर दक्षिण तक हरे-भरे जंगल, जलपापत, झरने, किशंगम जलाशय सहित प्रकृति की नैसर्गिक सुंदरता को करीब से निहारने और यहां की संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहरों को समझने के साथ आदिवासी समाज के जनजीवन को जानने और उनकी कलाकृतियों को देखने का भरपूर आनंद पर्यटक उठाते हैं। लखनऊ के कृपाशंकर यादव को छत्तीसगढ़ का पर्यटन स्थल अत्यंत स्थानों से कुछ अलग ही महसूस कराता है। यादव बताते हैं कि सिरपुर में बूझ की ऐतिहासिक प्राचीन धरोहरों को देखकर मन अभिभूत हो उठता है। उनका कहना है कि सिरपुर दुनिया का बड़ा बौद्ध विरासत है, इसका संवर्धन और संरक्षण आवश्यक है। ऐसे महत्वपूर्ण स्थलों में सुविधाएं और बढ़ेगी तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि गुरु घासीदास की जन्म स्थली गिरौदपुरेश्याम और बस्तर क्षेत्र में मौजूद प्राकृतिक पर्यटन स्थल बहुत आकर्षित करते हैं।

नगरीय प्रशासन मंत्री का दौरा कार्यक्रम

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन, विकास एवं श्रम मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, सूरजपुर एवं अम्बिकापुर जिले के प्रवास पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार डॉ. डहरिया 8 दिसम्बर को रात्रि 9.30 बजे रायपुर से रेल द्वारा प्रस्थान कर 9 दिसम्बर को सुबह 5.30 बजे सूरजपुर पहुँचेंगे और सुबह 6 से 11 बजे तक सूरजपुर के विश्राम गृह में रहेंगे और 11 बजे वहां से बैकुण्ठपुर जिला कोरिया के लिए कार से प्रस्थान करेंगे। बैकुण्ठपुर में दोपहर 12.15 से 2.30 बजे तक स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेंगे। डॉ. डहरिया दोपहर 2.30 बजे बैकुण्ठपुर से शिवपुर चरचा जायेंगे और वहां 3.15 बजे से शाम 7 बजे तक स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद वहां से

सूरजपुर जायेंगे एवं वहां विश्रामगृह में रात्रि विश्राम करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार डॉ. डहरिया 10 दिसम्बर को सुबह 10 बजे सूरजपुर से कार से प्रस्थान कर अम्बिकापुर जिला सरगुजा आयेंगे और अम्बिकापुर में 11 बजे से 12 बजे तक स्तरीय युवा महोत्सव में भाग लेने के बाद वहां से सूरजपुर जिले के प्रेमनगर जायेंगे और वहां दो बजे से शाम 5 बजे तक स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेंगे। डॉ. डहरिया शाम 5 बजे प्रेमनगर से सूरजपुर के लिए प्रस्थान करेंगे और शाम 6.15 बजे सूरजपुर के विश्रामगृह पहुँचेंगे। डॉ. डहरिया रात्रि 10.50 बजे विश्राम गृह सूरजपुर से रेलवे स्टेशन सूरजपुर जायेंगे और वहां से रात्रि 11.15 बजे ट्रेन से रायपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

धान खरीदी केन्द्र पर किया जा रहा कोविड टीकाकरण

■ हर घर दस्तक अभियान के तहत टीकाकरण की रफ्तार बढ़ाने नई पहल

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

वैश्विक महामारी कोरोना के संक्रमण से बचाव के लिए किसान धान बेचने के साथ ही कोरोना से बचाव का टीका भी लगवा रहे हैं। प्रदेश में 6 दिसंबर तक 91 प्रतिशत लोगों को पहला टीका लगाया जा चुका है। वहीं 51 प्रतिशत लोगों को दोनों टीके लग चुके हैं। इधर कोरोना के नए वेरिएंट को भी लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है। हर घर दस्तक अभियान



के तहत कोरोना के नए वेरिएंट के खतरे के बीच शत-प्रतिशत टीकाकरण के लिए नई पहल की है। इस सम्बन्ध में स्वास्थ्य विभाग के मीडिया प्रभारी गजेंद्र डोंगरे ने बताया, मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने 30 नवंबर को कलेक्टरों की ऑनलाइन



मीटिंग ली थी। जिसमें धान खरीदी केंद्रों में भी कोरोना टीका लगाने के निर्देश दिए गए थे। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा अब धान खरीदी केंद्रों में पहुँचकर किसानों को भी टीके लगाए जा रहे हैं। विकासखंड धरसीवा में कुल 25 धान खरीदी

केंद्र हैं। जहां पर 3 सदस्यों की 8 टीमों टीकाकरण का कार्य कर रही हैं 8 धान खरीदी केंद्रों में ड्यूटी कर रही टीम द्वारा 161 लोगों को टीकाकरण किया गया है जिसमें से 45 लोगों को पहली डोज दी गई है जबकि 116 लोगों को दूसरी डोज दी गई है। साथ

ही इस दौरान कोविड-19 अनुरूप व्यवहारों का पालन करने के बारे में भी सलाह दी जा रही है। जैसे नियमित रूप से मास्क लगाएं, शारीरिक दूरी का पालन करें, भीड़-भाड़ वाले स्थान पर जाने से बचें। सार्वजनिक स्थानों पर जैसे

अस्पताल, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, बाजार जाने पर सावधानी भी बरतें। केंद्र पर धान बेचने आए टिकेंडर साहू कहते हैं, धान बेचने के साथ ही कोविड टीकाकरण भी हो गया है अब अलग से समय निकालकर टीका लगवाने नहीं जाना पड़ेगा। टीका लगाने के बाद टीका कर्मियों ने एक टेबलेंट भी दी है और बताया है कि टीके से बुखार आ सकता है और हाथ पैरों में दर्द हो सकता है अगर ऐसी स्थिति हो तो यह टेबलेंट खाने की सलाह दी है। टीकाकरण के बाद क्या करना, क्या बचना नहीं करना है के बारे में भी बताया गया। आधा घंटा टीका लगाने के बाद उन्होंने मुझे अपनी निगरानी में रखा।

3 दिवसीय नेशनल एक्सपोजे 10 से साइंस कॉलेज ग्राउंड में

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

इंदौर इन्फोलाइन प्रा.लिमिटेड का 10-11-12 दिसंबर से साइंस कॉलेज ग्राउंड रायपुर में 3 दिवसीय नेशनल एक्सपोजे स्टील एंड पावर का आयोजन कर रहा है। यह एक्सपोजे का 11वां वर्ष है। एक्सपोजे को उरला इंडस्ट्रीज एसोसिएशन, रायपुर इलेक्ट्रिक मर्चेण्ट एसोसिएशन और ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज का समर्थन प्राप्त है। कोविड के बाद रायपुर में इस शो का आयोजन करना एक बड़ी चुनौती थी और इंदौर इन्फोलाइन ने मध्य भारत में प्रदर्शनों को फिर से स्टार्ट करने का यह काम किया है। इंदौर इन्फोलाइन प्रा लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर राजकुमार अग्रवाल ने बताया कि प्ग और उत्पादन, औद्योगिक उपकरण, स्मार्ट निर्माण प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण, ड्रूइंज (इंटरनेट ऑफ थिंग्स), आभासी वास्तविकता और दैनिक कार्यों में संबंधित



वास्तविकता, मैयूफैक्ट्रिंग, प्लानिंग और शेड्यूलिंग में बिग डेटा और मशीन लर्निंग कुछ ऐसे ट्रेंड हैं जो भारत में मैयूफैक्ट्रिंग इंडस्ट्री में फैल रहे हैं और उत्पादों को एक्सपोजे के दौरान प्रदर्शित किया जाएगा। देश भर से आने वाले लगभग 10,000 विजिटर के आने की

उम्मीद है। इस शो से रायपुर और छत्तीसगढ़ के उद्योगों को स्थानीय उद्योगों के लिए नवीनतम प्रौद्योगिकी एक्सपोजर के साथ लाभ होगा। यह एक्सपोजे एमएसएमई क्षेत्र की नेटवर्किंग के लिए एक बड़ा अवसर प्रदान करेगा। एक्सपोजे में विभिन्न औद्योगिक 25000 उत्पादों की

प्रदर्शित की जाएगी, जो शहर और छत्तीसगढ़ में अब तक की सबसे बड़ी डिस्टले हैं। इन उत्पादों का सकल मूल्य 40 करोड़ रुपये को पार कर सकता है। इस एक्सपोजे के माध्यम से हमें अगले एक वर्ष की अवधि में 100 करोड़ रुपये की विक्री दर्ज करने का विश्वास है। रायपुर, भिलाई, मुंबई, बैंगलोर, चेन्नई, नई दिल्ली, कोलकाता, हैदराबाद जैसे शहरों से देश भर के 100 से अधिक एक्सपिडिटर और औद्योगिक स्वचालन, कूलिंग टैंकर, मशीन टूल्स, बिजनेस, स्विचगियर, टायर, वेल्डिंग उपकरण जैसे अपने उत्पादों का प्रदर्शन कर रहे हैं। बिजली उपकरण, हाथ उपकरण, काटने के उपकरण, वैज्ञानिक उपकरण, प्रयोगशाला उपकरण, पूर्व इंजीनियरिंग सामग्री, सामग्री हैंडलिंग उत्पाद, सुरक्षा उत्पाद, रखरखाव उत्पाद और कई अन्य उत्पाद। इस आयोजन के शांति गियर्स प्रायोजक है।

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

गर्म पौष्टिक आहार स्वाद के साथ सेहत भी प्रदान करते हैं, इसे देखते हुए मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान के माध्यम से महिलाओं और बच्चों को गर्म पौष्टिक भोजन देने की शुरूआत की गई है। अभियान का सकारात्मक असर महिलाओं और बच्चों की पोषण की स्थिति में सुधार के रूप में देखने को मिल रहा है। बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे कुपोषण से बाहर आ रहे हैं। योजना के अंतर्गत कोरबा जिले के आंगनबाड़ी केन्द्र जनासना में सवा दो साल की नन्ही बालिका कृषिका अब कुपोषण से आजाद हो गई है।

जन्म के समय कम वजन की कृषिका अब पोषण स्तर की सामान्य श्रेणी में आ गई है। मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान के तहत कृषिका को आंगनबाड़ी के माध्यम से पौष्टिक रेडी-टू-ईट भोजन दिया गया। साथ ही पौष्टिक चिकी और अण्डे भी



दिये गये। आंगनबाड़ी में दिए गए स्वास्थ्यवर्धक पौष्टिक आहार और स्वास्थ्य सलाह से कृषिका कुपोषण से मुक्त हो चुकी हैं। बालिका कृषिका कम खाने व देखभाल में कमी होने के कारण कमजोर हो गई थी। जिसके कारण उसका पोषण स्तर मध्यम कुपोषित श्रेणी में आ गया था। आंगनबाड़ी में कृषिका का वजन लिया गया तब छह किलो 800 ग्राम था और लंबाई 84.3 से.मी. थी, जो उसके उम्र के अनुसार मध्यम कुपोषित स्तर को बताता

था। इसे देखते हुए कृषिका के पोषण स्तर में सुधार लाने के लिए मुख्यमंत्री सुपोषण अभियान से बच्चों को जोड़ा गया। उसे आंगनबाड़ी केन्द्र में पौष्टिक गरम भोजन चावल, रोटी, दाल, दो सब्जी, आचार, पापड़, सलाद, गुड़, अण्डे, चिक्की दिया गया। आंगनबाड़ी के माध्यम से लगातार पौष्टिक आहार मिलने से कृषिका के पोषण स्तर में सुधार होने लगा। मुख्यमंत्री बाल संबंध शिबिर में उसका स्वास्थ्य जांच भी कराया गया और दवाई भी दिया गया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा नियमित गुह भ्रमण कर स्वच्छता एवं पोषण के संबंध में कृषिका के माता-पिता को जागरूक कर गरम भोजन के लिए बच्चे की आंगनबाड़ी केन्द्र में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की गई। लगातार अच्छे पौष्टिक आहार मिलने से कृषिका का वजन 27 माह में 9.7 किलोग्राम हो गया और उसका पोषण स्तर सामान्य हो गया। अब कृषिका स्वस्थ एवं कुपोषण मुक्त हो गई है।

माता-पिता के गुजरने के बाद गांव के बड़े-बुर्जुओं को ही बनाया अपना अभिभावक

बेसहारा दित्यांग ठान मरकाम ने कठिन परिश्रम से बदली अपनी तकदीर

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

दुनिया में ऐसे कई दिव्यांग हैं, जिन्होंने अपनी कमजोरी को ही अपनी ताकत बनाया है। इन्होंने कभी हौसला नहीं खोया और सफलता के मुकाम पर पहुँचकर औरों के लिए आदर्श प्रस्तुत किया है। ऐसे ही उदाहरण प्रस्तुत करते हुए ग्राम मुंडाटोला विकासखण्ड छुईखदान जिला राजनांदगांव निवासी ठान मरकाम ने दिव्यांगता को कभी जीवन में बाधक नहीं बनने दिया और कठिन परिश्रम से अपनी तकदीर को बदला है। दरअसल बात यह है दिव्यांग ठान मरकाम मुंडाटोला ग्राम पंचायत में मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय

ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) में मेट बनकर न सिर्फ योजनाओं में महिलाओं को भागीदारी को बढ़ाया बल्कि वे स्वयं सशक्त हुईं और अपने जीवन की शानदार नई शुरूआत की है। ठान मरकाम अपने काम से काफी खुश हैं और कहती हैं कि अगर व्यक्ति चाह ले तो सफलता में दिव्यांगता बाधक नहीं हो सकती है। गौरतलब है कि माता-पिता के गुजरने के बाद गाँव के बड़े-बुर्जुओं को ही अपना अभिभावक मानकर मनरेगा के जरिये गाँव के लिए कुछ कर गुजरने का हौसला रखने वाली वह आज सबके लिए आदर्श बन गई है। 35 वर्षीया ठान मरकाम एक पैर से दिव्यांग हैं और जनवरी 2021



से गाँव मुंडाटोला में महिला मेट की भूमिका का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रही हैं। मेट बनने के बाद उन्होंने गाँव में नया तालाब निर्माण, विनय धुवें के खेत में भूमि सुधार कार्य एवं श्यामलाल के खेत में कूप निर्माण का

कार्य करवाया है। उनकी सक्रियता से योजना के तहत खुले कामों में महिला श्रमिकों की भागीदारी बढ़कर 50 प्रतिशत पर पहुँच गई है। महात्मा गांधी नरगा में वर्ष 2019-20 में जहाँ महिलाओं के द्वारा सृजित मानव

दिवस रोजगार का प्रतिशत 42.36 था, वह वर्ष 2020-21 में बढ़कर 50.86 प्रतिशत हो गया। गाँव में महिलाओं के बीच अपने सरल व्यवहार को लेकर लोकप्रिय ठान ने अपनी लगनशीलता के बलबूते चालू

वित्तीय वर्ष में भी महिलाओं की भागीदारी को 50 प्रतिशत बरकरार रखा है। नवम्बर, 2021 की समाप्ति तक गाँव में कुल रोजगार प्राप्त 615 श्रमिकों में से 310 महिला श्रमिकों को 6802 मानव दिवस का रोजगार मिल चुका है। मनरेगा मेट सुश्री ठान का अतीत कठिन परिश्रम और संघर्षों से भरा रहा है। मनरेगा मजदूर से मनरेगा मेट बनने का सफर उनके लिए आसान नहीं था। माता-पिता के स्वर्गवास होने और बहनों के विवाह उपरांत वह परिवार में अकेली हो गई थी। एक पैर से दिव्यांग होने के कारण पंचायत से उन्हें उनकी क्षमता के अनुसार काम मिलता था। अपने अतीत के संघर्षों के बारे में ठान मरकाम कहती हैं कि उनके पास

लगभग डेढ़ एकड़ की पुश्तैनी कृषि भूमि है, जिसे वे अधिया में देकर कृषि कार्य कराती हैं। जीवन-यापन के सीमित साधनों के कारण उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। ऐसे में ग्राम रोजगार सहायक सरिता धुवें उनके लिए नवा बिहान (नई सुबह) बनकर आयी और उन्हें महात्मा गांधी नरगा में महिला मेट के रूप में काम करने की सलाह दी। यह उनकी सलाह का ही परिणाम है कि सुश्री ठान गाँव में आज मनरेगा मेट के रूप में सम्मानपूर्वक अपने दायित्वों का निर्वहन कर पा रही हैं। मनरेगा से मिले पारिश्रमिक से उन्होंने अपने लिए एक सिलाई मशीन खरीद ली है, जिसका उपयोग वे अपनी आजीविका समृद्धि के लिए कर रही हैं।

राजेश जैन चैम्बर के मंत्री मनोनीत

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के व्यापारियों एवं उद्योगपतियों की सर्वोच्च संस्था छत्तीसगढ़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष अमर पारवानी ने चैंबर ऑफ कॉमर्स की मंत्री पद पर सम्पत्ति समाज सेवा राजेश जैन विद्यासागर को मनोनीत किया।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के सौदा कर्मचारी की आकस्मिक मृत्यु होने पर परिजनों को आठ लाख रुपये की अनुग्रह राशि प्रदाय

रायपुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में पदस्थ सौदा कर्मचारी स्व. डॉ. बी.पी. चंद्राकर, नेत्र रोग विशेषज्ञ (एन.एच.एम) के आकस्मिक निधन उनके परिवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के नियमानुसार मानव संसाधन नीति 2018 के तहत आठ लाख रूपये की अनुग्रह भुगतान/अनुकृपा अनुदान राशि प्रदान की गई है।

एनएसयूआई ने कन्या विद्यालय के सामने बार को हटाने को लेकर नेशनल हाईवे का किया चक्काजाम



पायनियर संवाददाता < कांकेर
www.dailypioneer.com

एनएसयूआई प्रदेश महासचिव चमन साहू एवं जिला उपाध्यक्ष सुमित राय एवं विधानसभा महासचिव सुरेश नाग के नेतृत्व में शहीद रामकुमार यादव शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं कन्या क्रीडा परिषद लड्डी पारा कांकेर के समीप सिटी सेंटर जिसमें बार संचालित किया जा रहा। जिसको लेकर कांकेर जिला एनएसयूआई के द्वारा नेशनल हाइवे का चक्का कर विरोध प्रदर्शन

किया गया। एनएसयूआई प्रदेश महासचिव चमन साहू ने कहा कि ये बार कन्या शाला के बाजू में संचालित किया जा रहा है। जिसमें शराबियों का हमेशा जमावड़ा लगा रहता है छात्राओं के शाला आने एवं जाने के समय छेड़-छाड़ की घटना घटित होने की आशंका बनी रहती है शाला परिसर के आस पास हमेशा शराबी शराब के नशे में पड़े रहते हैं जिससे छात्राओं में भय बना रहता है आस पास रहने वाले मोहल्ले वासी शराबियों से परेशान रहते हैं तथा

आए दिन बार के सामने मारपीट शोर शराबा होते रहता है जिससे शाला समय में छात्राओं के पढ़ाई में व्यवधान उत्पन्न होता है। जिला उपाध्यक्ष सुमित राय ने कहा कि ये बार आठ महीने पहले खुला गया है जब कोरोना काल चल रहा था जिस वजह से विद्यालय संचालित नहीं हो रहा था लेकिन अब विद्यालय फिर से संचालित हो रहा है जिससे छात्रों को बहुत ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है इसको लेकर छात्र हित में एनएसयूआई ने चक्का जाम

किया है और पहले। इसकी शिकायत कलेक्टर से एनएसयूआई ने किया है जिला प्रशासन से एक सप्ताह के अंदर बार को हटाने का आवासन मिलने पर चक्का जाम को समाप्त किया गया है अगर बार को नहीं हटाया गया तो इसकी शिकायत।मुख्यमंत्री से किया जाएगा और फिर चक्का जाम किया जाएगा! जिसमें मुख्य रूप से प्रदेश महासचिव चमन साहू, जिला उपाध्यक्ष सुमित राय, विधानसभा महासचिव सुरेश नाग, जिला

उपाध्यक्ष आयुषी मिश्रा, शहर अध्यक्ष अमन गायकवाड़, संभाग संयोजक लोमंद्र यादव, जिला महासचिव अमित साहू, विधानसभा उपाध्यक्ष तारा सिन्हा, शहर महासचिव हर्ष राज ठाकुर,पवन कांंगे, अकीक राजा,सत्यथ करायत, हुसैन खान, फैजल खान,राहुल गिडलानी, सुष्मान ,तराश खान , अभिषेक ठाकुर ,हर्ष दीप राजपुत , किशन यादव, साहिल पांडे, संदीप मांझी एनएसयूआई के सभी साथी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने किया दुधावा बांध क्षेत्र में ईको लर्निंग सेंटर का शुभारंभ, मिलेगा पर्यटन को बढ़ावा

पायनियर संवाददाता < कांकेर
www.dailypioneer.com

प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कांकेर जिले के दुधावा बांध क्षेत्र में ईको लर्निंग सेंटर का वर्चुअल माध्यम से शुभारंभ किया। ईको लर्निंग सेंटर का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कांकेर जिला वासियों को बधाई देते हुए कहा कि इससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होगा। इसका संचालन वन प्रबंधन समिति द्वारा किया जाएगा, जिससे उनको भी रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि दुधावा बांध क्षेत्र चारों ओर पहाड़ों से घिरा हुआ है, यहां पर ईको लर्निंग सेंटर शुरू होने से प्रदेश भर के पर्यटक दुधावा के मनोरम दृश्य, जैव विविधता एवं भौगोलिक विविधता का आनंद ले सकेंगे। यह विद्यार्थियों और ग्रामीणों के साथ-साथ बाहर से आने वाले पर्यटकों की जरूरतों को पूरा करने वाला एक अच्छा प्राकृतिक शिक्षा केन्द्र होगा। दुधावा के बांध क्षेत्र में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संसदीय सचिव एवं कांकेर विधानसभा क्षेत्र के विधायक शिशुपाल शोरी थे। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते



हुए कहा कि यहां पर प्रकृति की सेवा करते हुए पर्यटन को बढ़ावा दिया जायेगा। इसका संचालन स्थानीय वन प्रबंधन समिति द्वारा की जायेगी, जिससे उन्हें और यहां के ग्रामीणों के लिए रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। दुधावा के पहाड़ी में बायो डायवर्सिटी पार्क बनाये जाने की भी योजना है। शोरी ने कहा कि कांकेर एवं उसके आसपास के क्षेत्र को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। पर्यटकों के लिए 'टूरिस्ट हट' बनाने की भी योजना है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को रोजगार के अवसर मिल सके। दुधावा बांध क्षेत्र में ईको लर्निंग सेंटर के शुभारंभ होने से उनके द्वारा क्षेत्रवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई।

छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के सदस्य नरेश ठाकुर ने- भी दुधावा

बांध क्षेत्र में ईको लर्निंग सेंटर शुरू होने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश के लोगों को यहां पर्यटन का आनंद मिलेगा तथा ग्रामीणों को रोजगार का साधन उपलब्ध होगा। छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के सदस्य नितिन पोटाई ने ईको लर्निंग सेंटर प्रारंभ होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में यहां की संस्कृति, परंपरा, रीति रिवाज, तीज त्योहार को संवर्धन एवं सहजने का कार्य किया जा रहा है, जो बहुत प्रशंसनीय है। दुधावा में ईको लर्निंग सेंटर प्रारंभ होने से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही स्थानीय लोगों को भी रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

निर्वाचन अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

पायनियर संवाददाता < कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

बुधवार को कलेक्टर कार्यालय के सभागार में नगरपालिका के भेलवापदर वार्ड में होने वाले उप निर्वाचन हेतु निर्वाचन अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर वेणु गोपाल राव द्वारा अधिकारियों को मतदान प्रक्रिया, मतदान से संबंधित कार्यों, मतपेटी की सिलिंग तथा मतदान के समय आवश्यक व्यवस्थाओं एवं सावधानियों के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। यह उप निर्वाचन मतपत्र के माध्यम से किया जायेगा। अतः मतपत्र की वैधता के संबंध में, मतदान की पूर्व तैयारी, मतदान दिवस के कार्य एवं मतदान के पश्चात की तैयारी की पूरी जानकारी दी गयी। इस प्रशिक्षण में मुख्यतः मतपत्र लेखा शुद्धतापूर्वक भरने पर



मुख्य ध्यान दिया गया। प्रशिक्षण के बाद पीठासीन अधिकारियों द्वारा स्वयं मतपेटी तैयार कर प्रक्रिया की प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया गया। इस दौरान उप निर्वाचन हेतु नियुक्त पीठासीन अधिकारी, मतदान

अधिकारी 1,2,3, सेक्टर अधिकारी उपस्थित रहे। ज्ञात हो कि तीन दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का यह प्रथम चरण था। आगामी दो दिनों तक यह कार्यक्रम चलाया जायेगा।

कलेक्टर दीपक ने ली समय-सीमा की बैठक

पायनियर संवाददाता < दन्तेवाड़ा
www.dailypioneer.com

कलेक्टर दीपक सोनी की अध्यक्षता में कलेक्टरेट के डिकिनी सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उन्होंने लंबित आवेदनों को त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए। कोरोना की संभावित तीसरी लहर को देखते हुए कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव और टीकाकरण की तैयारियों के संबंध में जानकारी ली।

जिले में समर्थन मूल्य पर मक्का, रागी, कोदो, कुटकी का उपार्जन किया जाना है इसके लिए संबंधित विभाग को बेहतर प्रबंधन करने हेतु निर्देशित किया। भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना के आवेदनों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने जिले में संचालित गौधनों की प्रगति की समीक्षा करते हुए गौधनों को सुचारु रूप से संचालन करने एवं शेष



अपूर्ण गौधनों में प्रगति लाने हेतु निर्देशित किया। गौधनों में पशुओं के लिए चारागाह पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। गौधनों में हो रहे पैरादा के संबंध में जानकारी ली। कुम्हारों के लिए बनाए जा रहे माटीकला बोर्ड के निर्माण के संबंध में जानकारी ली। सौर सुजला योजना की जानकारी लेते हुए अधिक से अधिक लोगों को इस योजना से लाभान्वित करने हेतु

निर्देशित किया। मछली पालन हेतु बीज आहार प्रदाय, नव निर्माण आश्रम, छात्रवास, जल जीवन मिशन के प्रगति के संबंध में जानकारी ली। बैठक में वनमंडलाधिकारी संदीप बलगा, अपर कलेक्टर डॉ संजय कन्नौज, एसडीएम अंबिनाश मिश्रा, संयुक्त कलेक्टर सुरेंद्र ठाकुर, सहित सभी विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे।

प्रभारी सचिव चंपावत ने किया धान खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण



पायनियर संवाददाता < दन्तेवाड़ा
www.dailypioneer.com

संसदीय मामलों के सचिव तथा पंचायत आयुक्त एवं दंतेवाड़ा जिला के प्रभारी सचिव अंबिनाश चंपावत ने मंगलवार को जिले में चल रहे धान खरीदी की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। चंपावत ने जिले में स्थित बालूद एवं गौदम के धान उपार्जन केन्द्रों का जायजा लिया। उन्होंने धान बेचने आये किसानों से चर्चा कर

उनके फसलों की पैदावार तथा धान खरीदी केन्द्र की व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने इसके साथ ही हमालों से भी चर्चा की। प्रभारी सचिव ने खरीदी केन्द्रों पर बारदानों की उपलब्धता, भण्डारण एवं उठाव के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने किसानों को आमदनी बढ़ाने के लिए धान की फसल लेने के साथ ही दलहन-तिलहन की खेती करने का भी सुझाव दिया।

गांव वालों ने दिया मानवता परिचय जंगल में मील हिरण के नवजात बच्चों को दूध पिलाकर वन विभाग को सौंपा

पायनियर संवाददाता < कोण्डागांव
www.dailypioneer.com

दक्षिण वनमंडल कोण्डागांव के वन परिक्षेत्र मर्दापाल व वन परिक्षेत्र नारंगी अंतर्गत जंगल में हिरण के द्वारा बच्चे जन्म देकर छोड़ जाने के बाद ग्रामीणों के द्वारा देखे जाने के बाद नवजात बच्चों को घर लाकर सरपंच को सूचना दी गयी। जिसके बाद सरपंच के माध्यम वन विभाग को सूचित किया गया। जानकारी अनुसार ग्राम पंचायत हंगवा अंतर्गत जंगल मे कुछ गाय चराने हेतु गए हुए थे, उन्होंने देखा कि एक हिरण बच्चों को जन्म देकर भाग गई है। बच्चों ने गांव आकर बताया तो गांव के ही शुधु पिता बासु व भोसाराम पिता मृताली ने जंगल जाकर देखा तो बच्चे भूख से व्याकुल हो रहे थे, उन्होंने दोनों नवजात बच्चों को साफ करने के बाद घर लाकर ग्राम सरपंच हीरालाल को जानकारी दी, सरपंच ने वन विभाग को अवगत



कराया, जिसके बाद वन तत्काल हस्तक में आया व डीएफओ उत्तम गुप्ता के मार्गदर्शन में मर्दापाल वन परिक्षेत्र अधिकारी एसआर नेताम व नारंगी वन परिक्षेत्र अधिकारी विजय कुमार अपने स्टाफ के साथ टीम बनाकर हिरण के बच्चों को लेकर वापिस आये। डॉ नीता मिश्रा पशु चिकित्सक ने बताया कि हिरण के 02 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तो दोनों नर है व दोनों का वजन व स्वास्थ्य नॉर्मल है, जिसके बाद उन्हें लिक्विड में दूध प्रोटीन पाउडर दिया गया। उन्हें यदि



जंगल सफारी शिफ्ट किया जाएगा तो रास्ते के लिए मेडिसिन दे दी गयी है। डीएफओ उत्तम कुमार गुप्ता ने जनकारी देते हुए बताया कि जैसे ही हिरण के नवजात बच्चों की जानकारी मिली तत्काल रेस्क्यू टीम भेज कर कोण्डागांव लाया गया जिसके बाद पशु चिकित्सक के द्वारा दोनों मेमना का स्वास्थ्य परीक्षण करवाया गया, कोण्डागांव में वन्य जीव रखने की सुविधा ना होने के चलते 09 दिसम्बर की सुबह रेस्क्यू टीम के साथ कांगेर वेली नेशनल पार्क में भेजा जाएगा।

एसडीएम कांकेर द्वारा 25 किंवटल धान जप्त



पायनियर संवाददाता < कांकेर
www.dailypioneer.com

कांकेर डॉ. कल्पना धुव ने आज नरहरपुर तहसील के ग्राम ईमलीपारा, आंखीहरी और किशनपुरी के तीन व्यापारियों से 25 किंटल धान जप्त कर नियमानुसार कार्रवाई की गई।

कांकेर डॉ. कल्पना धुव ने आज नरहरपुर तहसील के ग्राम ईमलीपारा, आंखीहरी और किशनपुरी के तीन व्यापारियों से 25 किंटल धान जप्त कर नियमानुसार कार्रवाई की गई।

प्रभारी सचिव ने 1 करोड़ 80 लाख रुपये के 30 हजार कपड़ों के लॉट को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

पायनियर संवाददाता < दन्तेवाड़ा
www.dailypioneer.com

संसदीय मामलों के सचिव तथा पंचायत आयुक्त एवं दंतेवाड़ा जिला के प्रभारी सचिव अंबिनाश चंपावत ने विकासखण्ड गौदम के हारम स्थित गारमेट फैक्ट्री डेनेक्स में 1 करोड़ 80 लाख रुपये के 30 हजार कपड़ों का लॉट को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस गारमेट फैक्ट्री को गरीबी, उन्मूलन के लिए जिला प्रशासन की पहल पर स्थानीय महिलाओं को प्रशिक्षण देकर शुरू किया गया है। प्रभारी सचिव ने फैक्ट्री में कार्यरत दीदी-महिलाओं से बात-चीत की उनसे उनके कार्य और उनके आमदनी के बारे में जानकारी ली। फैक्ट्री में तैयार किए जा रहे वस्त्रों की गुणवत्ता की सराहना की। उनका काम के प्रति मनोबल देख खुशी जाहिर किया।



इस अवसर पर कलेक्टर सोनी ने अवगत कराते हुए बताया कि बारसूर, कारली में गारमेट फैक्ट्री की अन्य यूनिट स्थापित है कटेकल्याण में स्थापित यूनिट में लोगों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कुआकोंडा

में भी इसकी अन्य यूनिट जल्द ही शुरू की जाएगी। जिससे अधिक से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान कर उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार लाया जा सकेगा। इस दौरान गौदम स्थित कोविड-19 अस्पताल का भी

जायजा लिया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौज, तहसीलदार यशोदा केतारप, डिप्टी कलेक्टर विवेक चन्द्रा, गौदम जनपद सीईओ अमित भाटिया उपस्थित थे।

राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष थानेश्वर साह दंतेवाड़ा के दौरे पर

दन्तेवाड़ा। छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष थानेश्वर साह केबिनेट मंत्री (दजी) एवं मान. सदस्य आर.एन. वर्मा 09 एवं 10 दिसम्बर को जिला दंतेवाड़ा के दौरे पर रहेंगे। 10 दिसम्बर को सायं 4 बजे कलेक्ट्रेट के सभा कक्ष (तृतीय तल डंकनी सभा कक्ष) में प्रेसवार्ता आयोजित की गई है। प्रेसवार्ता में जिले के मीडिया प्रतिनिधियों/पत्रकारों को आहूत किया गया है।

मक्का, कोदो, कुटकी एवं रागी का समर्थन मूल्य पर खरीदी के लिए प्रचार-प्रसार शिविर का आयोजन

दन्तेवाड़ा। छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के माध्यम से प्राथमिक समितियों के द्वारा नियोजित ग्राम/हाट बाजार स्तर पर गठित स्व-सहायता समूह के माध्यम से जिले के किसानों द्वारा खरीफवर्ष 2021 में उत्पादित फसल कोदो, कुटकी एवं रागी के उपार्जन (खरीदी) शासन स्तर से पहली बार 1 दिसम्बर से 31 जनवरी 2022 तक खरीदी की जायेगी। राज्य शासन ने कोदो कुटकी तथा रागी का समर्थन मूल्य क्रमशः कोदो तथा कुटकी का 30 रुपये प्रति किलो ग्राम तथा रागी का समर्थन मूल्य 33.77 रुपये प्रति किलो ग्राम निर्धारित किया है। इसी तरह मक्का फसल के समर्थन मूल्य 1870 रुपये प्रति किंटल के दर से प्राथमिक सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से पंजीकृत कृषकों से खरीदी की जायेगी। जिसके लिए प्रचार-प्रसार शिविर 08 दिसम्बर दिन बुधवार को जावंगा ऑडिटोरियम एजुकेशन हब गौदम में प्रातः 11 बजे आयोजित किया जा रहा है।

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION COMPANY LIMITED
(C.G. Govt. Undertaking) CIN-U40108CT2003SGC015820 GST – 22AADCC5773E1XZ
CHHATTISGARH STATE LOAD DISPATCH CENTRE: RAIPUR
PHONE: 0771-254129, FAX: NO. 0771-254124, Web Site: www.sldcraipur.com, email: cslcraipur@gmail.com

NO. 03-02/SLDC/TR-171/1467 Raipur, Dated 06.12.2021
Notice Inviting Tender (NIT)
Tender NO. 03-02/SLDC/TR-171/1467 Raipur, Dated 06.12.2021
Name of the Work:
Tender for Installation of UVGI System in HVAC for Air Disinfection and Energy Efficiency at Main SLDC, Building, CSPTCL, Raipur.
Important dates:
Last date for submission of Tender Document: 04-01-2022, upto 03:00 PM only.Date of opening of Tender Document: 04-01-2022 at 03:30 PM. The detailed Tender is also available at our official website: www.sldcraipur.com & www.cspe.co.in.
EXECUTIVE DIRECTOR(SLDC) CSPTCL, RAIPUR
// Save Electricity // S-30711/7

कार्यालय नगरपालिका परिषद बीजापुर, जिला-बीजापुर (छ.ग.)
क्रमांक/1439/व.शा./न.पा.प./2021-22 बीजापुर, दिनांक 03/11/2021
// घोष पद्धति से दूकान नीलामी सूचना //
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद बीजापुर के स्वामित्व का नगर पालिका परिषद बीजापुर के स्वामित्व का कोतवाली थापा के सामने निर्मित दूकान का घोष नीलामी द्वारा नगर पालिका परिषद बीजापुर कार्यालय के सभाकक्ष में किया जायेगा।
बोली में भाग लेने वाले इच्छुक व्यक्ति निर्धारित अमानत राशि जमा कर बोली में भाग ले सकते हैं। अमानत राशि नगद एवं एफ.डी.आर. के माध्यम से जमा की जायेगी।
1. आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :- 17/12/2021 शाम 05:00 बजे तक।
2. अमानत राशि जमा करने की अंतिम तिथि :- 17/12/2021 शाम 05:00 बजे तक।
3. नीलामी दिनांक :- 20/12/2021 दोपहर 11:00 बजे से।

क्र.	दुकानों की संख्या	अवकाश	शासकीय बोली/प्रतिस्पर्धी राशि	परिचित किया गया	अमानत राशि	रियाक
01	01 नगर परिषद	58 वर्ग मीटर	24,50,000.00	7350.00	2,45,000.00	अनारक्षित

उपरोक्तानुसार नीलामी का निम्न शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालय अधिक में (अवकाश के दिनों को छोड़कर) अवलोकन कर सकते हैं।
मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर पालिका परिषद बीजापुर जिला-बीजापुर (छ.ग.)

संपादकीय

दोहरी चुनौती

डेल्टा के साथ ओमीक्रान

भारत में विचित्र स्थिति पैदा हो रही है। कोरोनावायरस के नए रूप ओमीक्रान ने पांच राज्यों में सिर उठाया है। इसके साथ ही कोविड-19 के संभवतः डेल्टा स्वरूप के नए मामले आठ राज्यों से सामने आ रहे हैं। जहाँ वैज्ञानिक दो स्वरूपों के बीच अंतर का अध्ययन कर रहे हैं, वर्तमान समय में रोगियों पर उनका समान प्रभाव दिखता है। अब तक वे बिना लक्षणों वाले हैं या उनके मामूली लक्षण दिखे हैं तथा उनमें गंभीर चिकित्सकीय हस्तक्षेप की जरूरत नहीं आई है। देश में वैश्विक महामारी के नवीनतम उभार के चार आयामों पर गौर करना चाहिए। कर्नाटक में बिना किसी यात्रा इतिहास के एक व्यक्ति को ओमीक्रान संक्रमण हुआ। ओमीक्रान से लोग प्रभावित हो रहे हैं, भले ही उनके टीकाकरण की स्थिति चाहे जो हो। यह चिन्ताजनक बात है कि इससे किशोर भी प्रभावित हो रहे हैं, जैसा कि गुजरात में पाया गया है। भारत में दोनों स्वरूपों के क्लस्टर संक्रमण पाए गए हैं। ओमीक्रान क्लस्टर महाराष्ट्र और कर्नाटक में पाए गए हैं। गैर-ओमीक्रान कोविड-19 क्लस्टर तेलंगाना और महाराष्ट्र में पाए गए हैं। तेलंगाना में एक मेडिकल कालेज के 40 से अधिक छात्र कालेज में एक आयोजन के बाद संक्रमित पाए गए जिसमें वे मास्क नहीं लगाए थे। कर्नाटक के एक स्कूल और एक कालेज में अलग-अलग क्लस्टर पाए गए। इनमें फ्रेशर्स पार्टी के बाद 300 से अधिक छात्र व कर्मचारी शामिल थे। तेलंगाना सार्वजनिक स्वास्थ्य निदेशक डा. जी. श्रीनिवास ने चेतावनी दी है कि जनवरी के मध्य तक कोविड के मामले बढ़ सकते हैं तथा उनकी संख्या फरवरी में शिखर पर पहुंच सकती है। सरकार का चिकित्सकीय ढांचा पहले ही नई लहर का सामना करने के लिए तैयार हो, पर इसके साथ ही यह तथ्य भी है कि अब तक टीकाकृत या उससे वंचित रोगियों में ओमीक्रान संक्रमण गंभीर नहीं दिखा है। ऐसे में सरकार को दो मुद्दों का सामना है। पहला यह है कि वायरस के मनुष्यों में प्रसार को कैसे घटाया जाए। इसका एकमात्र विकल्प देश में व्यापक पैमाने पर स्क्रीनिंग करना है जिनमें खासकर हवाईअड्डे, रेलवे स्टेशन तथा अन्य सार्वजनिक परिवहन केन्द्र हैं। पाजिटिव पाए गए लोगों को अनिवार्य क्वारंटीन में भेजना समय की आवश्यकता है। केन्द्र को राज्यों के साथ समन्वय बना कर टेस्टिंग व टेरेसिंग तेज करनी चाहिए। हवाईअड्डों व रेलवे स्टेशनों को बंद करना उस समय तक उचित नहीं होगा जब तक संक्रमण इतना गंभीर न हो जाए कि उससे जटिलतायें व मौतें सामने आने लें। सरकार को बच्चों के टीकाकरण का निर्णय भी जल्दी लेना होगा। भारत में 12-17 आयुवर्ग के लगभग 14 करोड़ बच्चे हैं। अधिकांश पहले ही डेल्टा स्वरूप का सामना कर चुके हैं। ओमीक्रान अब गुजरात में इस वर्ग के बच्चों को संक्रमित करने लगा है। भारत की खास स्थिति है। एक ओर डेल्टा के स्थानीय प्रकोप उन क्षेत्रों में दिख रहे हैं जहाँ लोग अब तक संक्रमित नहीं हुए थे, वहीं दूसरी ओर ओमीक्रान के रूप में परिवर्तित वायरस भी आ गया है। हमें इस दुहरे हमले के प्रभावों का तत्काल आंकलन करना चाहिए। कोविड-19 टास्क फोर्स को दो मुद्दों से निपटना होगा। पहला, अब तक हमने बच्चों के टीकाकरण की प्रतीक्षा की है, ऐसे में क्या हमें बच्चों की नई वैक्सीन के लिए और प्रतीक्षा करनी चाहिए जो नए और भावी स्वरूपों से उनकी रक्षा कर सके? दूसरा, दक्षिण अफ्रीका के मामलों से स्पष्ट है कि ओमीक्रान पहले संक्रमित हो चुके लोगों को भी संक्रमित कर रहा है। ऐसे में सवाल है कि क्या ओमीक्रान में वैक्सीन से पैदा प्रतिरक्षा को धोखा देने की क्षमता है?

उत्तम गुप्ता
(लेखक नीति
विश्लेषक हैं)

कोरोनावायरस के नए स्वरूप ओमीक्रान के सिर उठाने को देखते हुए विश्व व्यापार संगठन-डब्ल्यूटीओ की बारहवीं मंत्रिस्तरीय कार्रवाई-एमसी की 30 नवंबर को होने वाली बैठक अनिश्चित काल के लिए टाल दी गई है। सरकार को इस मौके का लाभ उठा कर समान सोच वाले विकासशील देशों से विचार-विमर्श कर समन्वय के साथ साझा रणनीति तैयार करनी चाहिए। इसमें इन क्षेत्रों पर ध्यान देने की आवश्यकता है-1. खाद्य सुरक्षा के लिए सार्वजनिक स्टॉकहोल्डिंग-पीएसएच का स्थाई समाधान, 2. विकासशील देशों के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था-एसएसएम, 3. मछली सव्बिडी में वर्तमान असमानतायें दूर करना, 4. कोविड-19 वैक्सीन तैयार करने के लिए पेटेंट हटाना तथा 5. डब्ल्यूटीओ में सुधार। भारत खाद्य सुरक्षा के लिए सार्वजनिक स्टॉकहोल्डिंग का व्यापक कार्यक्रम चलाता है। इसके अंतर्गत भारतीय खाद्य निगम-एफसीआई जैसी सरकारी एजेंसियां गेहूं, चावल व मोटे अनाज जैसे कृषि उत्पाद न्यूनतम समर्थन मूल्य-एमएसपी पर किसानों से खरीदती हैं तथा उनकी अत्यधिक सरती 1, 2, 3 रुपये प्रति किलो की कीमत पर सस्ते राशन की दुकानों से वितरित करती हैं ताकि भारत के गरीबों और संकटग्रस्त तबकों की जरूरतें पूरी हो सकें। बिना मूल्य के अतिरिक्त एमएसपी के साथ ही हैडलिंग, भंडारण व वितरण पर आने वाला खर्च केन्द्रीय बजट से सव्बिडी के रूप में दिया जाता है।

इसमें किसानों को एमएसपी के अतिरिक्त सव्बिडी शामिल है। इसे डब्ल्यूटीओ की शब्दावली में अंतरराष्ट्रीय कीमत या एक्सटर्नल रिफरेंस प्राइस-ईआरपी कहते हैं। इसके अलावा खाद्य उपभोक्ता को ईआरपी के अतिरिक्त सव्बिडी दी जाती है। डब्ल्यूटीओ की 'उत्पाद संबंधी'



सव्बिडी के साथ ही कृषि निवेशों जैसे उर्वरक, बीज, सिंचाई, बिजली, आदि पर दी जाने वाली सव्बिडी से चिन्ता है जिनको 'गैर-उत्पाद संबंधी' सव्बिडी कहा जाता है। डब्ल्यूटीओ के अंतर्गत कृषि समझौते-एओए में उत्पाद व गैर-उत्पाद सव्बिडी या स्थिति संकटग्रस्त हो जाती है क्योंकि देशों के कृषि उत्पाद मूल्य के 10 प्रतिशत तक सीमित किया गया है। यदि कोई देश एएमएस के 10 प्रतिशत से अधिक सव्बिडी देता है तो यह उल्लंघन होगा। एओए 1 जनवरी, 1995 से लागू है। भारत में 2005 तक एमएसपी ईआरपी से कम था। इसके बाद एमएसपी ईआरपी से अधिक हो गया तथा पिछले दशक में यह अंतर बढ़ा है। उदाहरण के लिए, मई 2018 में अमेरिका द्वारा डब्ल्यूटीओ को दिए प्रतिवेदन के अनुसार 2013-14 में भारत का चावल पर एएमएस 77 प्रतिशत था। वर्तमान समय में भारत को 'शांति प्राविधान' के अंतर्गत संरक्षण मिला है जिसकी अनुमति 2013 में बाली की नवीं एमसी में दी गई थी। इसमें कहा गया था, 'यदि कोई विकासशील देश 10 प्रतिशत से अधिक एएमएस देता है तो किसी सदस्य को इसे 2017 तक चुनौती देने का अधिकार नहीं होगा, जब डब्ल्यूटीओ इसके स्थाई समाधान पर गौर करेगा।'

दिसंबर 2014 में आयोजित जनरल कौंसिल-जीसी में इस अनुमति के बारे में कहा गया है, 'शांति प्राविधान उस समय तक लागू रहेगा जब तक कोई स्थाई समाधान न निकाला जाए।' लेकिन शांति

प्राविधान कोई समाधान नहीं है क्योंकि इसके साथ अनेक शर्तें जुड़ी हैं। इनमें खाद्यान्न खरीद, स्टॉकहोल्डिंग, वितरण और सव्बिडी का डेटा देना शामिल है। इनमें यह शर्त भी शामिल है कि सव्बिडी 'व्यापार विकृत' करने वाली न हों। इससे भारत की स्थिति संकटग्रस्त हो जाती है क्योंकि 2018-19 में शांति प्राविधान लागू करने के बाद कुछ देश 'सुरक्षा' और 'पारदर्शिता' प्रविधान लागू करने की मांग कर रहे हैं। इसलिए भारत एक 'स्थायी समाधान' खोज रहा है। उसने 'खाद्य सुरक्षा के लिए पीएसएच सहायता को पूर्ण अपवाद' मानने की पैरवी की है। लेकिन यह कोरी कल्पना है क्योंकि इससे सीमा की अवधारणा अर्थहीन हो जाएगी और इसका अर्थ एओए को पुनः तैयार करना होगा। एक व्यावहारिक विकल्प एओए के अंतर्गत एएमएस तय करने में कमियां दूर करना होगा। ईआरपी को 1986-88 की कीमत पर लिया जाता है, जबकि एमएसपी संबंधित वर्ष के लिए होती है। गरीब किसानों को दी जाने वाली सव्बिडी अलग नहीं की जाती है। पीएसएच के लिए खरीदी मात्रा के बजाय पूरी मात्रा की गणना होती है। इन विकृतियों को दूर करने पर एमएसपी 10 प्रतिशत सीमा के भीतर आ जाएगा जिसकी अनुमति है। इस दृष्टिकोण से 2013-14 में चावल पर अमेरिकी प्रतिवेदन के अनुसार 77 प्रतिशत के बजाय एएमएस केवल 5.45 प्रतिशत था। लेकिन केवल इतने से एमएसपी तथा इसके बाद खरीद बढ़ाने में सहायता नहीं मिलेगी। सटीक गणना के बाद भी एएमएस

वर्तमान सीमा के 10 प्रतिशत से अधिक हो जाएगा। 2018-19 में यह चावल पर 11 प्रतिशत से अधिक था। यदि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एमएसपी को विधिक गारंटी देने की बात मान लेते हैं तो भारत को और बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। ऐसी स्थिति में सरकार को सभी किसानों का सारा उत्पाद खरीदना पड़ेगा, जबकि वर्तमान समय में यह केवल 6 प्रतिशत है। इससे एएमएस असाधारण रूप से बढ़ेगा। यह 'खाद्य सुरक्षा के लिए पीएसएच कार्यक्रम' में भी नहीं आ सकता है क्योंकि यह खरीद गरीबों को भोजन देने के बजाय केवल किसानों का समर्थन करने के लिए होगी। भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण से भारत को अमेरिका व यूरोपीय संघ जैसे विकसित देशों की तरह किसानों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण-डीबीटी पर विचार करना चाहिए। इससे डब्ल्यूटीओ नियमों का पालन सुनिश्चित होने के साथ ही वर्तमान एमएसपी व्यवस्था में शामिल कमियां और विकृतियां दूर करने में भी सहायता मिलेगी। जहां तक एसएसएम का सवाल है, यह सदस्यों को बढ़ते आयात तथा उसके कारण गिरती कीमतों से निपटने में 'प्रतिबद्ध स्तरों' के बजाय अस्थायी रूप से टैरिफ बढ़ाने की अनुमति देता है जो बाउंड रेट समझौते के अंतर्गत सदस्य देश द्वारा लागू की जा सकने वाली अधिकतम अनुमन्य ड्यूटी है। 2015 में नैरोबी की 10वीं एमसी में विकासशील देशों का एसएसएम अधिकार माना गया था जिसकी अनुमति हांगकांग मंत्रिस्तरीय घोषणा से मिली थी। लेकिन यह

भारत द्वारा एओए के अनुच्छेद 5 में संशोधन की मांग के निकट नहीं है जिससे विकसित देशों को विशेष कृषि सुरक्षा-एसएसजी के अंतर्गत कुछ रियायतें मिलती हैं। 2018 में विकसित देशों ने मछली पकड़ने पर भारी सव्बिडी दी थी, जबकि यह भारत में केवल 227 मिलियन डालर थी। इससे विकसित देश दुनिया की अधिकांश मछलियां पकड़ते हैं, जबकि छोटे मछुआरों को आजीविका के लिए संघर्ष करना पड़ता है। भारत ने प्रस्ताव किया है कि विकसित देश अगले 25 साल में अपनी सव्बिडी समाप्त करें तथा विकासशील देशों को और मछलियां पकड़ने के लिए सव्बिडी की अनुमति दें। वह समझौते में विशेष एवं भिन्न व्यवहार-एसएंडडीटी की मांग करता है।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका के साथ अक्टूबर, 2020 में एक प्रस्ताव कर सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातस्थितियों से निपटने के लिए ट्रिप्स को अस्थायी रूप से स्थगित करने की मांग की थी। हालांकि, इसे अमेरिका समेत बहुसंख्य देशों का समर्थन मिला है, पर यूरोपीय संघ व ब्रिटेन इसका विरोध कर रहे हैं। अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने डब्ल्यूटीओ की विवाद समाधान संस्था-डीएसबी में सदस्यों की नियुक्ति पर रोक लगा दी थी। यह संस्था डब्ल्यूटीओ नियमों के उल्लंघन की स्थिति में विवादों का समाधान करती है।

वर्तमान समय में इस संस्था में निर्धारित सात सदस्यों के बजाय केवल एक सदस्य है। ऐसे में विवाद समाधान प्रक्रिया को गहरा धक्का लगा है। संक्षेप में कहा जाए तो भारत को एमएसपी का रास्ता छोड़ कर किसानों की सुरक्षा के लिए डीबीटी का रास्ता अपनाना चाहिए। एसएसएम, मछली पकड़ने पर सव्बिडी तथा कोविड-19 के लिए ट्रिप्स को स्थगित रखने के मामले में इसे समान सोच वाले सभी विकासशील देशों से समर्थन प्राप्त करने के प्रयास करने चाहिए। प्रस्ताव मंजूर करवाने के लिए खासकर जी-33 का समर्थन उपयोगी होगा। जहां तक डब्ल्यूटीओ में सुधार का सवाल है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन को समझाना होगा कि वे अमेरिकन वोटो हटा दें।

नागालैंड घटना पर आत्मनिरीक्षण की जरूरत

इस तरह के शत्रुतापूर्ण एजेंडे देश की सुरक्षा को क्षति पहुंचाने वाले अवसर को जाने नहीं देंगे। आखिर उनका एकमात्र मकसद भारत पर आघात करना है।

जयदीप सैकिया
(लेखक एक संघर्ष
विश्लेषक हैं)

ना गालैंड के मोन जिले के तिरु इलाके में 4 दिसंबर की घटना, जब सुरक्षा बलों द्वारा गलत पहचान के मामले में कुछ लोग मारे गए थे, शायद हाल के दिनों में अग्रिम घटनाओं में से एक है, और एक जिसे सुरक्षा बलों द्वारा वास्तव में खेद व्यक्त किया गया है। लेकिन तथ्य यह है कि यह एक अजीबोगरीब घटना थी और जिस तरह से कर्नल विप्लव त्रिपाठी और उनके निदोष परिवार की मणिपुर में हत्या की गई थी, यह पूर्व नियोजित नहीं था। उस अंत तक, इस प्रकरण का इलाज किया जाना चाहिए, एक ऐसी असंगति जिसके लिए वास्तव में एक ऐसी ताकत द्वारा पश्चाताप किया गया है जिसने न केवल उत्तर पूर्व की सुरक्षा में योगदान दिया है, बल्कि इसके सर्वांगीण कल्याण में भी योगदान दिया है।

यदि इस घटना को भारत-विरोधी ताकतों द्वारा अपहृत करने की अनुमति दी जाती, जो इस तरह के अवसर के लिए विस्तार को परिमार्जन करते रहे हैं, तो एक बड़ी गलती की जाएगी। पीपुल्स रिपब्लिक

ऑफ चाइना के राज्य सुरक्षा मंत्रालय और पाकिस्तान की इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस जैसी एजेंसियां ??या तो अलगाव में या एजेंडा की एकजुटता में भारतीय सुरक्षा बलों को आतंकवाद विरोधी अभियानों और उनके प्राथमिक सीमा प्रबंधन से दूर करने का प्रयास कर रही हैं। कर्तव्य। वास्तव में, ये एजेंसियां उत्तर-पूर्व के शांतिप्रिय लोगों को भारत विरोधी कार्रवाई के लिए उकसाने का कोई रास्ता नहीं छोड़ेंगी, जब विपथन उनके रास्ते में आते हैं जैसा कि वास्तव में सोम में हुआ था। इस तरह के शत्रुतापूर्ण एजेंडे - जैसा कि अतीत में बार-बार देखा गया है, असम, कश्मीर और मणिपुर और भारत में कहीं और - देश की सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने के अवसर को जाने नहीं देंगे। आखिरकार, उनका एकमात्र मकसद भारत को हजारों आघातों के साथ खून करना और 'सौ प्रेरी फायर' स्थापित करना है, जो न केवल एक क्षेत्रीय शांति के रूप में भारत की बढ़ती शांति को विफल करने की कोशिश करेगा, बल्कि अपने सुरक्षा बलों पर अपमान का ढेर लगाएगा। देश की आबादी को विकास वक्र और ऊपर की ओर गतिशीलता से गुमराह करने के लिए जिसे राष्ट्र हासिल करने के लिए पूरी तरह तैयार है। सोम घटना स्टॉक लेने के अभ्यास के लिए एक आदर्श अवसर प्रदान करती है। हालांकि यह विश्लेषण किया गया है कि प्रकरण निश्चित रूप से था - शेक्सपियर से एक कालातीत अभिव्यक्ति को स्पष्ट



करने के लिए एक था - एक जिसे हमेशा पालन की तुलना में उल्लंघन में अधिक सम्मानित किया गया है, इस मामले का तथ्य यह है कि सुरक्षा बलों ने निश्चित और विश्वसनीय जानकारी है कि एक आतंकवादी संगठन, अर्थात् नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड (खापलांग-युंग ऑंग) गुट नागालैंड के मोन जिले में तिरु के आसपास के क्षेत्र में छल करने के उद्देश्य से क्षेत्र में था। इसलिए, देशद्रोहियों के नापाक मंसूबों का मुकाबला करने के लिए क्षेत्र में सुरक्षा बलों द्वारा एक ऑपरेशन की योजना बनाई गई थी।

ल%एफेंयर मोन उन घटनाओं के कारण हुआ, जिसमें तैयारी और कर्तव्य की भावना दोनों शामिल हैं, जिसके साथ सुरक्षा बल 13 नवंबर की घटना को दोहराने की कोशिश कर रहे थे, जब कर्नल के परिवार के रूप में गैर-लड़ाकों को निर्मम आतंकियों द्वारा जानबूझकर निशाना बनाया गया था। मोन घटना, अगर निष्पक्ष खेल का सहारा लिया जाना है, तो यह भी ध्यान में रखना चाहिए कि 3 और 4 दिसंबर को मणिपुर के फेरजावल जिले में क्या हुआ था जब असम राइफलस की वांग बटालियन अपना ऑपरेंटिंग

बेस खाली करने की प्रक्रिया में थी। परबुंग। महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों सहित परबुंग के ग्रामीण बड़ी संख्या में असम राइफलस से क्षेत्र से बाहर न जाने का अनुरोध करने के लिए सामने आए। बल छुट्टी पर विचार कर रहा था क्योंकि उस स्थान पर उग्रवाद कम हो गया था। यह अभूतपूर्व घटना न केवल असम राइफलस इकाई की असाधारण परिचालन उपलब्धि और नागरिक कार्रवाई नीतियों के कारण थी, विशेष रूप से छहडूहडू-19 महामारी के दौरान हर प्रकार की सहायता के प्रावधान के माध्यम से आबादी की सहायता के कारण, बल्कि इसलिए भी कि एक भावना की भावना थी। 2006 के बाद से परबुंग और असम राइफलस के निवासियों के बीच विकसित हुआ था, जब असम राइफलस के एक अधिकारी, लेफ्टिनेंट कर्नल राजीव बख्शी ने क्षेत्र में कर्तव्य की पॉक में सर्वोच्च बलिदान दिया था। वास्तव में, एक स्मारक फुटबॉल मैच, लेफ्टिनेंट कर्नल बख्शी मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट, हर साल परबुंग में आयोजित किया जाता है, जिस तरह से असम राइफलस के अधिकारियों और पुरुषों ने पूर्वोत्तर के लोगों के लिए अपना जीवन समर्पित किया है। इसलिए, चीजों की उपयुक्तता में यह है कि जिस क्षेत्र के लिए असम राइफलस ने अपने पूरे अस्तित्व को अलग रखा है, उसे वास्तव में पूर्वोत्तर के मित्र कहा जाता है।

फरमाया



सरकार नागालैंड की घटना पर तहदिल से खेद जताते हुए प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती है।

- अमित शाह
केंद्रीय गृहमंत्री



फिलहाल, अब तक, ऐसा तो नहीं लगाता कि नए कोविड प्रतिरूप में बहुत गंभीरता है।

- एंथनी फॉसी
एनआईएआईडी निदेशक



जब भाजपा वोट मांगने आए तो यह याद रखें यूपी सरकार ने रोजगार मांगने वालों को लाठियों से पीटा था।

- राहुल गांधी
कांग्रेस नेता

आप की बात



इस कॉलम में अपने विचार या प्रतिक्रिया भेजने के लिए हमारे ई-मेल से

pioneer.editorial@gmail.com

पर भी भेज सकते हैं।

www.dailypioneer.com

आंतरिक सुरक्षा पर मंथन

भारत देश में आंतरिक सुरक्षा के सामने वर्षों से आतंकवाद, अलगाववाद, नक्सलवाद और अराजकता गम्भीर संकट पैदा कर रहे हैं। कश्मीर में आतंकवाद, उत्तरपूर्व में उग्रवाद और कई राज्यों में नक्सलवाद फैला हुआ है। इनके खिलाफ चलाये जा रहे अभियानों में कभी कभी निदोष लोगों की जाने चली जाती है। नागालैंड में हुई दुखद घटना नाकाम गुप्तचर तन्त्र के कारण हो गई। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना का राजनीतिक लाभ लेने की किसी भी दल को कोशिश नहीं करना चाहिये। जो गलती सुरक्षा बलों से हो गई है। उससे निपटने और पीड़ित परिवारों को सहानुभूति और आर्थिक मदद सरकार को करना चाहिए। गुप्तचर व्यवस्था को सुधारे, आधुनिक हार्ड टेक टेक्नालॉजी का उपयोग, ड्रोन का उपयोग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग होना चाहिये। इन अभियानों में हमारे देश के सुरक्षाबलों को अनेको बार हमलों का शिकार होना पड़े। इसे रोकने के लिये गुप्तचर व्यवस्था का जाल सारे देश में फैलाना होगा। गुप्तचर व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिये इसे पुलिस विभाग से अलग करना होगा। भारतीय गुप्तचर और राज्य गुप्तचर सेवा बनाने कीओर केंद्र सरकार ध्यान दे।

- कुलदीप मोहन त्रिवेदी, जरांगंव

उग्रवादी कहां हैं?

नागालैंड में जो हुआ वह दुर्भाग्यपूर्ण है। चाहे सुरक्षाबल हों या किसी भी राज्य की पुलिस अपराधियों को पकड़ने में उनका काम मुख्य रूप से प्राप्त विश्वसनीय खुफिया जानकारी पर निर्भर करता है। उसके अनुसार वे आगे की योजना बनाते हैं। उग्रवादीयों के बारे में सुरक्षाबलों को मिली विश्वसनीय खुफिया जानकारी संदेह के घेरे में आ गई है। जवानों की फायरिंग में मजदूर मारे गए है तो उग्रवादी कहां हैं? क्या किसी के पास उन्हें बिना मारे सुरक्षित रूप से छुटकारा पाने की कोई पूर्व नियोजित योजना होगी? इसे देखना होगा। स्थानीय लोग और सुरक्षा बलों के बीच दूर पैदा करने की कोशिश को नकारा नहीं जा सकता। ताकि स्थानीय लोग आक्रामक हो जाएं और सुरक्षा बलों पर टूट पड़े। स्थानीय लोगों में सुरक्षा बलों को लेकर गुस्सा कैसे आएगा? और इसका लाभ उठाकर जवानों का मनोबल कैसे कम किया जा सकता है? इसके लिए कौनसी ताकतें (उग्रवादी) काम कर रही हैं? इस पर भी गहन शोध करने की जरूरत है। इसे केवल उपर से नहीं, बल्कि बहुत बारीकी से देखना होगा। यह ध्यान रखना होगा कि देश के सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के मन में सुरक्षाबलों की छवि खराब न हो।

- जयेश राणे, मुंबई

कानून वापसी से नुकसान

हाल ही में तीन कृषि सुधार कानूनों की वापसी से कृषि-बाजार सुधारों की संभावना लगभग समाप्त हो गई है। हाल ही में इनके पुनर्जीवित होने की भी कोई संभावना नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह पता लगाने के लिए एक समिति गठित की है कि 'एमएसपी को कैसे ज्यादा प्रभावी बनाया जा सकता है', जबकि यह केवल सतही कदम है। इस बीच किसानों के नेता और मांगें पेश कर रहे हैं तथा सरकार रक्षात्मक दृष्टिकोण अपना रही है। इस प्रकार देश एक खतरनाक क्षेत्र में प्रवेश कर रहा है। एमएसपी की विधिक गारंटी राष्ट्रीय खजाने को दीवालिया कर सकती है। इससे भंडारण व परिवहन सुविधाओं पर भारी बोझ पड़ेगा, बरबादी कई गुना बढ़ेगी तथा भारत को खाद्य सव्बिडी के मामले पर डब्ल्यूटीओ में शर्मिन्दा होना पड़ेगा क्योंकि किसानों को आसमान के तारे देने के लिए व्यापार विकृत हो जाएगा। किसानों को बिजली संशोधन कानून से अलग रखने से पहले से ही भारी घाटे का शिकार बिजली वितरण कंपनियों पर और अधिक बोझ पड़ेगा।

- श्रीवत्स द्विवेदी, वाराणसी



जिला अस्पताल बेमेतरा में पहली बार दो मरीजों का हुआ मेजर आर्थोपेडिक सर्जरी

पायनियर संवाददाता < बेमेतरा
www.dailypioneer.com

जिला अस्पताल में पहली बार दो मरीजों के पैर की टूटी हुई हड्डी का सफल ऑपरेशन किया गया। जिला अस्पताल में दोनों मरीजों का ऑपरेशन आयुष्मान भारत योजना और जीवनदीप समिति के अंतर्गत निशुल्क किया गया है। हितग्राही नमन कुरें और ईश्वर दास मानिकपुरी का फीमर फ्रैक्चर को मेजर आर्थोपेडिक सर्जरी द्वारा अस्पताल की ओटी में ढाई-ढाई घंटे तक चले ऑपरेशन में सफलतापूर्वक कर लिया गया है। सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉ वंदना भेले ने बताया, जिला अस्पताल में इस तरह का यह पहला ऑपरेशन था। प्राइवेट अस्पताल में आर्थोपेडिक सर्जरी ऑपरेशन का खर्च लगभग 40,000 रुपए तक आता है। लेकिन मरीज के परिजनों और अस्पताल के डाक्टरों की टीम ने ऑपरेशन में सहयोग प्रदान कर जिला अस्पताल में अब मेजर आर्थोपेडिक सर्जरी की शुरुआत कर दी जोकि जिले के लिए



स्वास्थ्य सेवाओं में सुविधाओं का विस्तार करते हुए उपलब्धि? हासिल की है। ऑपरेशन को सफल बनाने के लिए हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ अरविंद साहू, एनेस्थीया विशेषज्ञ डॉ अविनाश बंजारे, ओटी प्रभारी कुमारी रेखा कविलास, ओटी टेक्निशियन धीवादास व स्टॉफ नर्स रुखमणी साहू सहित अन्य मेडिकल स्टॉफ टीम का सहयोग रहा। डॉ भेले ने कहा, इस ऑपरेशन में अस्पताल प्रशासन एवं स्टॉफ का सराहनीय सहयोग रहा। जिला अस्पताल में इस तरह का यह पहला ऑपरेशन था। जिला अस्पताल में आर्थोपेडिक सर्जरी शुरू होने के बाद अब जिले के

मरीजों को राजधानी में रफर करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ अरविंद साहू ने बताया, समाह्रार पहले 11 वर्षीय बालक नमन कुरें को बेरला सीएचसी में भर्ती कर जिला अस्पताल रफर किया गया था। ग्राम लेंजवारा निवासी नमन कुरें 11वर्ष पिता जगन्नाथ कुरें का बैला गाड़ी से गिरने पर दाहिने जांच की हड्डी टूट गई थी। इस वजह से पैर में दर्द से कराह रहा था। डॉ. अरविंद साहू से जब नमन के परजिनों की ओपीडी मुलाकात हुई तो डॉ. साहू ने बच्चे का इलाज निशुल्क करने सिविल सर्जन से चर्चा कर ऑपरेशन करने का

निर्णय लिया गया। सिविल सर्जन ने ऑपरेशन के लिए जरूरी सामग्री रायपुर से ऑर्डर कर मंगवाया। तीन चार दिन की तैयारियों के बाद मंगलवार यानी 7 दिसंबर को जिला अस्पताल के ओटी में ढाई घंटे तक चले ऑपरेशन में नमन के पैर की टूटी हुई हड्डी का ऑपरेशन कर राड डाल कर जोड़ा गया, ऑपरेशन के मरीज पूर्णतः स्वस्थ है। इसी तरह आज बुधवार को नवागढ़ ब्लॉक के ग्राम बघुली निवासी ईश्वर दास मानिकपुरी उम्र 48 वर्ष का ऐक्सिडेंट होने से पैर की हड्डी टूट गई थी। नवागढ़ सीएचसी से ईश्वरदास को जिला अस्पताल बेमेतरा रफर किया गया। हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ अरविंद साहू के नेतृत्वी में ईश्वर दास के फीमर फ्रैक्चर में ऑपरेशन कर फ्लेट डाली गई। दोनों ही ऑपरेशन सफलतापूर्वक टीम के द्वारा किया गया। डॉ. अरविंद साहू के प्रयास ने नमन और ईश्वर का निशुल्क ऑपरेशन का कर एक बार फिर दोनों मरीज को अपने पैरों पर खड़ा होने वाले स्थिति कर दिया।

लाल पानी प्रभावित किसानों ने जन मुक्ति मोर्चा छत्तीसगढ़ के नेतृत्व में प्रदर्शन किया



दल्हीराजहरा। लाल पानी से प्रभावित धोबेदण्ड पंचायत और कुमुडकड़ा पंचायत के किसान जो कि दिगत 18 वर्षों से संघर्ष करते आ रहे है। ज्ञात रहे कि दल्ली राजहरा क्षेत्र में संचालित माईस से निकलने वाले लाल पानी से धोबेदण्ड पंचायत और कुमुडकड़ा पंचायत के किसानों के खेत खेती करने लायक नही रहे। इस बात को लेकर ये किसान दिगत 18 वर्षों से अपना विरोध प्रदर्शन करते आ रहे है जिसे जिला कलेक्टर ने भी स्वीकार किया है कि भी बीएसपी प्रबन्धन की लापरवाही के कारण इन किसानों की जमीन खराब हुई है और बीएसपी प्रबन्धन को इन किसानों को स्थाई रोजगार प्रदान करना होगा। लेकिन आज तक जिला कलेक्टर के आदेश को बीएसपी प्रबन्धन द्वारा अनदेखा कर लाल पानी से प्रभावितों को अब तक कोई स्थायी रोजगार की व्यवस्था नही की गई है। जिसके कारण यह किसान जन मुक्ति मोर्चा छत्तीसगढ़ के बैनर तले अपना विरोध कर रहे है इसी कडी में सैकड़ों किसानों ने 06दिसम्बर को जन मुक्ति मोर्चा कार्यालय से रैली निकाल कर नगर के मुख्य मार्ग से होकर विरानारायण सिंग चौक, गुप्ता चौक, शहीद शंकर गुहा नियोगी चौक ,भ्रम वीर चौक, जैन भवन चौक से होकर माईस ऑफिस चौक पहुँचकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया जिसमें महेन्द्र कुमार कुलदीप, भरत बघेल, चेतन सिन्हा राजु, पवन, शम्भू यादव, कमुद, बाबूलाल, कंसालाल, रत्नराम, क्षिजनन्द, सतवन, हरि, गौता, अशोक, के साथ जन मुक्ति मोर्चा छत्तीसगढ़ के कों. जीत गुहा नियोगी, कों. बसन्त रावटे, कों. मूलचन्द चन्देल, कों. हुमन तुमरेडी, कों. चन्द्रशेखर यादव, कों. राजा मसीह, कों. भोमराज, कों. अजित दास, कों. गोपाल राजपूत, कों. संजय निषाद, कों. श्रिजित दुग्गा के साथ सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

कबीरधाम पुलिस लाइन में केन्द्रीय पुलिस कल्याण भंडार का शुभारंभ

पायनियर संवाददाता < कवर्धा
www.dailypioneer.com

कबीरधाम पुलिस के अधिकारी एवं कर्मचारियों को उचित मूल्य में राशन सामग्री तथा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण आदि उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दिनांक- 07/12/2021 को पुराने पुलिस लाइन कंट्रोल रूम के बगल में केन्द्रीय पुलिस कल्याण भंडार (सहायक कल्याण भंडार) छत्तीसगढ़ पुलिस कबीरधाम का शुभारंभ।

कबीरधाम पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह एवं पूर्व पुलिस कप्तान मोहित गर्ग के द्वारा पूजा अर्चना कर रिबन काटकर उद्घाटन किया गया साथ ही उपस्थित पुलिस परिवार के स्कूली छात्र छात्राओं को चॉकलेट बिस्किट एवं अन्य खाद्य पदार्थों का



वितरण भी किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनीषा ठाकुर रावटे, उप. पुलिस अधीक्षक मुख्यालय मोनिका सिंह परिहार उप. पुलिस अधीक्षक नक्सल पी.आर. कुंजर, रक्षित निरीक्षक नरगिस तिग्गा बघेल एवं पुलिस के अधिकारी जवान तथा पुलिस परिवार के सदस्य तथा स्कूली छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग को नवीन पदस्थापना के लिए भावभीनी विदाई दी गई

पायनियर संवाददाता < कवर्धा
www.dailypioneer.com

पुलिस अधीक्षक कबीरधाम मोहित गर्ग का स्थानांतरण जिला कबीरधाम से सेनानी 14वीं वाहिनी छ.स.बल करकाभाट बालोद होने पर शहर के भोरमदेव क्लब में कबीरधाम जिले के शासन प्रशासन एवं पुलिस के समस्त अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर विदाई दिया गया साथ ही नये पुलिस कप्तान डॉ. लाल उमेद सिंह का पुष्पगुच्छ से जिले में स्वागत किया गया। विदाई समारोह में जिलाधीश रमेश कुमार शर्मा, डी.एफ.ओ. दिलराज प्रभाकर, पुलिस कप्तान डॉ. लाल उमेद सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मनीषा ठाकुर रावटे, उप. पुलिस अधीक्षक मुख्यालय मोनिका सिंह परिहार, उप. पुलिस अधीक्षक अजाक बी. आर. मंडवी, उप.



पुलिस अधीक्षक नक्सल अजीत ओगरे, उप. पुलिस अधीक्षक नक्सल पी.आर. कुंजर, उप. पुलिस अधीक्षक नक्सल आशीष मिश्रा, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी बोड़ला जगदीश उड्डेक, पुलिस अनुविभागीय अधिकारी पंडरिया नरेंद्र कुमार बेंताल, रक्षित निरीक्षक नरगिस तिग्गा बघेल, एवं जिले के समस्त थाना/चौकी प्रभारी तथा कार्यालयीन अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा स्थानांतरण पर जा रहे अधिकारी के कार्यों की जम्कर सराहना करते हुए कहा गया कि गर्ग के द्वारा

जिले में बहुत ही कम समय में लोगों के दिलों में अपनी एक अलग से जगह बनाकर विभिन्न वनांचल नक्सल प्रभावित ग्रामों तक पहुंच कर सामुदायिक पुलिसिंग के तहत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं खेल कूद का आयोजन करा लोगों के बीच बैठकर उनकी समस्याओं का त्वरित हल किया गया, जिले के समस्त थाना चौकी क्षेत्र में नवा बिहान कार्यक्रम, खाकी संध चाय, अभिव्यक्ति कार्यक्रम यातायात जागरूकता कार्यक्रम के तहत लगातार कबीरधाम पुलिस की छवि को बेहतर बनाने एवं आम जनों की समस्याओं का यथासंभव हल निकाल का बेहतर प्रयास किया गया, जिले में कानून व्यवस्था ड्यूटी निर्मित होने पर तत्काल एक्शन लेते हुए बड़े दंगे पर बिना किसी जनहानि के जिले में शासन प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों तथा जा रहे अधिकारी के कार्यों की जम्कर सराहना करते हुए कहा गया कि गर्ग के द्वारा

अवैध रूप से खेत का जुताई करने की शिकायत थाने में किया

बेमेतरा। अवैधानिक रूप से खेत गुनबोंड के खसरा नम्बर 439 के कुछ हिस्से में सुमित्रा बाई पति स्व. जयप्रकाश जाट व रणधीर सिंह द्वारा जुताई करने व शासकीय भूमि में तार घेरा करने शिकायत थाने में दर्ज कराया है इस संबंध में शिकायत करते हुए नगर के संजय तिवारी ने थाना प्रभारी को बताया है कि दिनांक 05/12/2021 दिन रविवार को सुबह हम अपने खेत गुनबोंड के खसरा नम्बर 439 को देखने गए तो पता चला की अवैधानिक रूप से हमारे खेत में घुसकर खेत के कुछ हिस्से में सुमित्रा बाई पति स्व. जयप्रकाश जाट व रणधीर सिंह द्वारा जुताई कर रही है। एक हिस्से मे नया कच्चा बनाने का प्रयास कर रही है हमारे द्वारा विरोध करने पर बहस कर रही है। हमने थाने में फोन से सूचना तत्काल दिए हैं लिखित में सूचना दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि गुनबोंड पटवारी हल्का 49 खसरा नंबर 457 व 456/1 जो कि शासकीय भूमि है जिसमे शासकीय ऑफिसर कोटर भी बना हैं, नया मास्टर प्लान में 40 गीट रोड है जिसके कुछ हिस्सा सुमित्रा बाई जाट के खेत खसरा नंबर 458 से लगा हुआ है मे जाली तार से घेरा कर ली है।

अशुद्धजल का संवर्धन कर उपयोग लायक बनाया जाएगा

स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 के अंतर्गत कुम्हारी स्वच्छ स्वरथ बनने की ओर अग्रसर



पायनियर संवाददाता < कुम्हारी
www.dailypioneer.com

स्थानीय नगरपालिका सभागार में यूनिसेफ एवं समर्थन संस्था द्वारा संयुक्त रुप से मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं नगर पालिका अध्यक्ष की उपस्थिति में एक कार्यशाला आयोजित की गई जिसका उद्देश्य नागरिकों के मध्य स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता का विस्तार करना है नगर में प्रत्येक घर में शौचालय एवं उसके अपशिष्ट पदार्थों की निकासी की व्यवस्था तथा नालियों की समुचित व्यवस्था होने से स्वास्थ्य सुक्षित रोगा स्वच्छता बनी रहेगी कुम्हारी क्षेत्र का उचित और सही ढंग से विकास हो सकेगा । यूनिसेफ एवं समर्थन संस्था द्वारा आयोजित कार्यशाला में कर्नाटक के बेंगलुरु शहर में स्थापित किए गए वाटर ट्रीटमेंट से शहर के विकास स्वरूप को प्रोजेक्ट के माध्यम से प्रदर्शित करें स्पष्ट किया गया कि अशुद्ध जल का किस प्रकार से संवर्धन कर व्यवसाय नगर सौंदर्यिकरण हेतु उपयोग में लाया जा सकता है अपशिष्ट पदार्थ को खाद में परिवर्तित कर कृषि व्यवसायियों को इसका लाभ दिलाया जा सकता है इसके लिए प्रबंधन की कुशलता

अत्यावश्यक है कर्मचारियों की सुरक्षा भी मुख्य विषय है इसके लिए पीपीई किट आदि की व्यवस्था भी अनिवार्यता से प्रयोग किया जाना चाहिए सैयद मुश्ताक कंसलटेंट यूनिसेफ ने भी स्वच्छता एवं स्वास्थ्य की अनिवार्यता पर प्रकाश डाला उन्होंने सर्वप्रथम ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के निवासियों द्वारा प्रयोग किए जा रहे शौचालयों के संबंध में बताया कि इसकी संरचना के अनुसार 3 वर्षों में टैंक की सफाई होनी चाहिए इस कार्य के लिए पर्याप्त व्यवस्था अत्यावश्यक है मनीष झा प्रशिक्षक समर्थन संस्था ने सभी उद्देश्यों के कार्य पद्धति को विस्तार पूर्वक स्पष्ट किया । इस प्रकार की परियोजना विकासशील कुम्हारी नगर के लिए अत्यन्त आवश्यक है । इस सजगता पूर्ण कार्यशाला के आयोजन अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष राजेश्वर सोनकर मुख्य नगरपालिका अधिकारी जीतेन्द्र कुशवाहा इंजीनियर सैनटरी इंस्पेक्टर जिला समन्वयक नगर पालिका कुम्हारी स्वास्थ्य विभाग प्रभारी ओम प्रकाश वर्मा एडवरमैन अशोक साहू पार्षद थानेश पटेल, श्रीमती जानकी धव, रीना साहू, महेश सोनकर एवं अन्य उपस्थित थे ।

पायनियर संवाददाता < कवर्धा
www.dailypioneer.com

कवर्धा के विधायक एवं कैबिनेट मंत्री मोहम्मद अकबर है विकास पुरुष के नाम से जाने जाते है मीडिया प्रभारी गोरेलाल ने कहा की अकबर के कार्यकाल में लगातार कबीरधाम में विकास कार्य हो रहा है हर वर्ग के को ध्यान में रखते हुए लाभ पहुंचाई जा रही है वर्षों पुराना पुल जो की जर्जर हालात में थी कई बार इस पुल ल व ऊंचाई कम होने की कारण हादसे होते रहते थे उसे भी अकबर भाई ने त्वरित निर्माण का आदेश दिया और कार्य प्राप्ति पर है। मंत्री अकबर है साफ छवि के करते है सभी धर्मों का सम्मान देते है भाईचारे का संदेश अपनी सरलता, सहजता व मृदुभाषी जमीनी जनसेवक के रूप में जाने जाते हैं ,सभी धर्मों के प्रति सम्मान और आदर भाव रखने वाले मो. अकबर कृषि उपज मंडी रायपुर में 85 से 1991 के अध्यक्षीय कार्यकाल में भव्य राम मंदिर बनवाया और मंदिर की



देखरेख का जिम्मा खुद सम्हालते दोनो नवरात्रि में पहली जोत अकबर भाई के नाम से जलाया जाता है एवं साथ में कबीरधाम जिले के कई मंदिरों में भी नवरात्रि पर उनके नाम पर जोत जलावाले जाते हैं एवम गणेश और दुर्गात्सव में महत्वपूर्ण योगदान रहता है । मंत्री अकबर

के राजधानी रायपुर स्थित शासकीय निवास में हनुमान मंदिर में नियमित पूजा-पाठ व देखरेख की व्यवस्था और विधि विधान से पूजा के लिए एक पुजारी भी नियुक्त है जहां आम लोग व श्रद्धालुओं भी उक्त हनुमान मंदिर में हनुमान के दर्शन करती है। सम्मानपूर्वक लगवाया झंडा.- गोरेलाल चंद्रवंशी भीरा सरपंच एवम मिडिया प्रभारी ने कहा कि कवर्धा में जब युवकों के दो गुटों ने नगरपालिका को निर्देश दिए कर सम्मानपूर्वक झंडा पुनः लगवाया जब शंकराचार्य न्यास ने विशाल झंडा लगाते

100 फीट शासकीय जमीन मांगी तो उन्होंने व्यक्तिगत रुचि लेकर 600 फीट जमीन आवटित कराईमंत्री अकबर का कहना है कि कवर्धा की पहचान शांत नगर की हैं, जहां के लोग बेहद अच्छे हैं। यहां के लोग आपसी सौहार्द पूर्वक रहते है। उनका कबीरधाम जिले से अटूट नाता रहा है जिले से ही चुनाव लड़ना पसंद करते हैं।1993 1998 2003 में वीरेंद्र नगर सीट से लड़ापरिसीमन में ये सीट विलोपित हुई तो 2008 में पंडरिया से लड़े।2013 और 2018 में कवर्धा सीट से लड़े। वर्तमान में कवर्धा विधान सभा क्षेत्र जो पिछले कई वर्षों से विकास से अछूता रहा जहां विकास की गंगा बहाते व्यक्तिगत रुप से क्षेत्र के सभी वर्गों व जनता से रूबरू होते बिना भेद-भाव के पूरे समय जनहित में समर्पित रहने वाले आज के समय के अपवाद राजनीतिज्ञ के रूप में अविभाजित मध्यप्रदेश के साथ-साथ छत्तीसग? में भी जाने जाते है जो हम सब के लिए गर्व का विषय है।

बच्चे खेल-खेलकर अपने समाज, ग्राम, देश और परिवार का कर सकते हैनाम रोशन : सावित्री साहू



पायनियर संवाददाता < बोड़ला
www.dailypioneer.com

विकास खण्ड स्तरीय युवा महोत्सव में मुख्य रूप से नगर पंचायत अध्यक्ष सावित्री साहू ने बोड़ला स्टेडियम में महोत्सव का दीप प्रज्वलित कर युवा महोत्सव का शुभारंभ किया। साथ ही सभी खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए जीवन मे खेल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए खेल भावना से खेल खेलने एवं समाज को एकता का सन्देश देने सभी का सहयोग एवं मिल जुल कर परस्पर आगे बढ़ने की बात कही। उन्होंने बताया कि स्वस्थ शरीर पर स्वस्थ मन का वास होता है और स्वस्थ मन से ही हम एक अच्छी सोच रख सकते है क्योंकि कहा गया है कि मन चंगा तो कठौती में गंगा। हमारे जीवन मे खेलो का बहुत महत्व है और एक अच्छे खेल खेलकर हम अपने समाज गाँव, देश और अपने परिवार का नाम रोशन कर सकते है। आप सबकी भावना को समझते हुए हमारी सरकार ने युवा महोत्सव के माध्यम से खिलाड़ियों को महत्व देने और समाज को एक नई दिशा देने की ओर कार्य कर रही।

महोत्सव में कब्बड़ी, खो-खो, गेंड़ी, फुगड़ी, निबन्ध प्रतियोगिता और विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम जिसमें राउत नाचा, सुवा नित्य, बांसुरी वादन, वाद्य यन्त्र, छत्तीसगढ़ के पारंपरिक कार्यक्रम को महत्व देते हुए आयोजन किया गया। भूपेश सरकार एवं लोकप्रिय मंत्री मो. अकबर के मंशानुरूप युवाओं के प्रतिभा को निखारने के लिए सरकार के द्वारा आयोजित किया जा रहा है। जिसमें आप सभी की भागीदारी से ही हम सब मिलकर गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ सरकार की कल्पना को साकार करेंगे कार्यक्रम को तुकाराम चंद्रवंशी ने भी संबोधित किया। आयोजन में जिला पंचायत सदस्य तुकाराम चंद्रवंशी, रामकुमार पटेल, जिला उपाध्यक्ष तुलसी पटेल, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष अजमत उल्ला खान, रामचरण साहू एवं नगर पंचायत पार्षद शमसाद बेगम जी, भरत गुप्ता, संतोषी साहू, परेंटन धुवें, शशी खरे, पूरन मानिकपुरी, श्याम मसराम दीपक मांगरे एवं विकास खण्ड तहसीलदार, Bco, एवं शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास के अधिकारी - कर्मचारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सभी बच्चों उपस्थित रहे।

सौ युवाओं ने थामा कांग्रेस का दामन



दल्लीराजहरा। कांग्रेस पार्टी की शीति नीति और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के जनहितोषी कार्यों से प्रभावित होकर हमारे क्षेत्र की विधायक एवं कैबिनेट मंत्री अनिला भेंडिया एवं जिला कांग्रेस अध्यक्ष चंद्रप्रभा सुधाकर के समक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अशोक बाबूबेश्वर एवं नगर पालिका अध्यक्ष शौबू नायर के नेतृत्व में 100 युवाओं ने कांग्रेस पार्टी में प्रवेश किया। कैबिनेट मंत्री अनिला भेंडिया ने नजीम खान, गुलाम नबी सहित सभी नए सदस्यों को कांग्रेस पार्टी का पारंपरिक गमछा शौबू नायर के नेतृत्व में प्रवेश कराया एवं सभी को शुभकामनाएं दिया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष संगीता नायर, मंत्री मीडिया प्रभारी दिवेक मसीह ,सेवादल के कार्यकारी अध्यक्ष संतोष पांडेय ,जिला कांग्रेस के महामंत्री रतीराम कोसना, नगर पालिका के पूर्व उपाध्यक्ष रवि जायसवाल सहित कांग्रेस के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गण उपस्थित थे।

धर्म ध्वज धर्म सभा स्थल का संतों ने किया भूमिपूजन

पायनियर संवाददाता < धानखमरिया
www.dailypioneer.com

ज्योतिष पीठाधीश्वर एवं द्वाराका शारदा पीठाधीश्वर जगद्गुरु शङ्कराचार्य स्वामी स्वरूपानन्द सरस्वती महाराज के शिष्य प्रतिनिधि दण्डी स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती ज्योतिर्मठ बद्रीकाश्रम के सत संकल्पों की पूर्ति की कड़ी में धर्म ध्वज धर्म सभा स्थल पी कालेज मैदान में 08 दिसंबर को भूमि पूजन किया गया। उक्तशायर की जानकारी देते हुए शङ्कराचार्य जन कल्याण न्यास के शङ्कराचार्य जन कल्याण न्यास के मिडिया प्रभारी पण्डित देव दत्त दुवे ने बताया कि 10 दिसंबर को होने वाले भगवा ध्वजारोहण के लिए धर्मध्वज धर्मसभा स्थल में बुधवार को भूमिपूजन किया गया, जहाँ स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती संत,



महात्माओं, महा मण्डलेश्वरों ,राजाओं एवं जन मानस की उपस्थिति में 108 फिट की ऊँचाई पर विशाल भगवा धर्म ध्वजा फहरायेगे। धर्म ध्वज धर्म सभा स्थल के भूमिपूजन के अवसर पर ब्रम्हचारी निर्विकल्प स्वरूप, ब्रम्हचारी ज्योतिर्मयानंद, संत भगवन, सनातन राजमणि, हृदयानंद, धनंजय वैद्य, केशवानंद, सिद्धेश्वरानंद, पूर्व विधायक मोतीराम चंद्रवंशी, आनंद उपाध्याय, उमंग पांडे, गिरिराज वैष्णव एवं लगभग सैकड़ों की संख्या में संत एवं धर्मनुरागी सज्जन उपस्थित थे।

सैकड़ों वर्ष पुराना पुल का कांग्रेस कार्यकाल में हो रहा पूर्ण : गोरेलाल चंद्रवंशी





नगर पालिका चुनाव में सरगमीं तेज, प्रत्याशी जीत सुनिश्चित करने हर पैतरे को कर रहे हैं उपयोग

पायनियर संवाददाता < बैकुंठपुर
www.dailypioneer.com

कोरिया जिले के दो नगर पालिका क्षेत्र बैकुंठपुर व शिवपुर चरचा में होने वाला नगर पालिका चुनाव अब निर्णायक मोड़ पर आ गया है। 20 दिसम्बर को होने वाले मतदान पर प्रत्याशी अपना सारा दमखम लगा रहे है। नाम वापसी के बाद 127 प्रत्याशी मैदान में हैं। बैकुंठपुर नगरपालिका से 70 प्रत्याशी व शिवपुर चरचा से 57 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। प्रत्याशियों के प्रचार प्रसार में डेढ़ लाख की राशि निर्धारित करने के बाद अभी सभी प्रत्याशी सोशल मीडिया वह घर घर जाकर मतदाताओं को अपना हितोषी बता रहे हैं। जैसे जैसे समय नजदीक आता जा रहा है चुनाव और दिलचस्प होता जा रहा है कई बड़े दिग्गजों की साख दांव पर है तो वहीं कई नए भी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि बाजी किसके हाथ में जाती है।

गोदावरी ईमोबिलिटी प्रा. लि. के इबलू ने ईवी वाहनों के उत्पादन के नये बिजनेस मॉडल में की एंट्री

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

गोदावरी ई-मोबिलिटी प्रा. लि. का इब्लू ई-रिक्शा प्लेटफॉर्म के लिये एक ई-रेंटल मॉडल है, जिसका लक्ष्य कार्बन फुटप्रिंट कम करना और भारत के लाखों लोगों को स्व-रोजगार के अवसर देना है। इब्लू ने एक बड़ा कदम उठाते हुए यह घोषणा की है कि वह एक नये बिजनेस मॉडल में जाने के लिये तैयार है, जिसके तहत उसके मैन्पैक्टाइंगर प्लेटफॉर्म गोदावरी मोटर्स प्रा. लि. द्वारा ईवी का निर्माणमा किया जाएगा। यह प्लेटफॉर्म ई-साइकल्स , ई-स्कूटर्स, ई-बाइक्स, ई-ऑटो, ई-लोडर्स और ई-रिक्शा बनाएगा। इस उपक्रम में हिरा र्गपर ने चालू वित्त वर्ष में 5000 करोड़ रुपये से ज्यादा का टर्नओवर अर्जित किया है और इसकी फ्लैगशिप कंपनी गोदावरी पावर एंड इस्पात लिमिटेड बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध है, जिसमें 100 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश अक्विड है। कंपनी ने यह कदम लीजिंग मॉड्यूल में प्रवेश कर ईवी की बाजार में स्वीकार्यता को समझते हुए इस नये कदम पर अपनी बात रखते हुए, गोदावरी ई-मोबिलिटी प्रा. लि. के मैनेजिंग डायरेक्टर सिद्धार्थ अग्रवाल ने कहा, भारत में ईवी स्थाई वृद्धि कर रहे हैं, लेकिन अब भी शुरूआती अवस्था में हैं। गोदावरी ई-मोबिलिटी प्रा. लि. का लक्ष्य अपनी तरह के पहल हमारे लीजिंग मॉडल के माध्यम से ईवी सेगमेंट को बढ़ावा देना है। इस उपक्रम के साथ स्व-रोजगार देना और कार्बन फुटप्रिंट कम करते हुए समाज को प्रदूषण-रहित संपूर्ण मोटर परिवहन समाधानों से समृद्ध बनाना।

पिलपकार्ट होलसेल ने लांच किया ‘स्कैन 2 बाय’ इससे इनस्टोर खरीद में ईकॉमर्स को बढ़ावा मिलेगा

रायपुर। भारत में विकसित पिलपकार्ट ग्रुप के डिजिटल बी2बी मार्केटप्लेस पिलपकार्ट होलसेल ने अपने किराना एवं रिटेलर सदस्यों को खरीददारी का बेहतर अनुभव देने के लिए ‘स्कैन 2 बाय’ फीचर अपने ईकॉमर्स ऐप पर शुरू कर दिया है। ‘स्कैन 2 बाय’ का लक्ष्य है स्टोर में आकर खरीददारी करने वाले सदस्यों के बीच ईकॉमर्स को बढ़ावा देना, यह फीचर इस प्लेटफॉर्म के विज़न ‘बिज़नेस बनाए आसान’ को मजबूती प्रदान करेगा। प्लेटफॉर्म के ऐप के जरिए सभी 28 पिलपकार्ट होलसेल बेस्ट प्राइस स्टोर के लिए जारी किया गया यह फीचर ‘स्कैन 2 बाय’ लांच के केवल 10 दिनों के भीतर इस उपलब्धि का गवाह बना है की स्टोर में आकर खरीददारी करने वाले सदस्यों के बीच ईकॉमर्स अपनाए जाने में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। आदर्श मेनन, सीनियर वरिष्ठ प्रोडिंटेंट एवं हैड, पिलपकार्ट होलसेल ने कहा, ‘पिलपकार्ट होलसेल निरंतर ईकॉमर्स और एमएसएमई उद्यमों की वृद्धि एवं समृद्धि पर ध्यान देता है। इसी कोशिश को आगे बढ़ाते हुए हमने अपने ईकॉमर्सिस्टम को आधुनिक बनाने के लिए एक और कदम उठाया है जिसके तहत हमने अपने सदस्यों के लिए प्रौद्योगिकी की ताकत उपयोग किया है। हमारे स्टोर में आकर खरीददारी करने वाले अपने सदस्यों को ईकॉमर्स के फायदे देने से ईकॉमर्स को अपनाए जाने में तेजी आएगी तथा किराना व रिटेल कारोबारियों को व्यापार में सुविधा व आसानी होगी। इसके साथ, पिलपकार्ट होलसेल का लक्ष्य है की किराना कारोबारियों को ईकॉमर्स अपनाने में जो तकनीकी उड़चनें आती हैं उनका समाधान किया जाए। यह फीचर किराना कारोबारियों को सुविधा देता है कि वे स्टोर के जाने-पहचाने माहौल में डिजिटल कार्ट खरीद कर सकें। यह कैसे काम करता है: ‘स्कैन 2 बाय’ फीचर एक प्रमुख चुनौती का समाधान करता है जो आइकों को रैकआउट से पहले अपना डिजिटल कार्ट बनाने तक पेश आती है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) भाटापारा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)	न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) भाटापारा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)	न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) भाटापारा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)	न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) भाटापारा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)
// ईश्रतहार // अनलाईन नंर 202112211100001 अ/2 ब/ 2021-22 एतद द्वारा सर्व साधरण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका सुष्मा गंग पति रमेश कुमार गंग एवं रमेश कुमार पिता भागवती गंग निवासी ग्राम कोसमदा तहसील भाटापारा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) ग्राम अक्वरेडी प.ह.नं. 10 रा.नि.म. को तहसील भाटापारा में खसरा नं 11/37 रकबा 0.019 हेक्टर भूमि को आवासीय प्रयोजन के लिये छ.ग.भू.रा. सहिता 1959 की धारा 59(2) के तहत पुर्न निर्धारण करने हेतु बी-1, खसरा, नक्शा, ब्लू प्रिंट नक्शा सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया। उक्त भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु परिवर्तित करने में जिस किसी को आपत्ति/दावा हो तो प्रकरण नियत दिनांक 20.12.2021 तक आपत्ति/दावा प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत अवधि परचात प्राप्त आपत्ति/दावा पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 03.12.2021 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया। अनुविभागीय अधिकारी (रा.) भाटापारा	// ईश्रतहार // अनलाईन नंर 202112211100002 अ/2 ब/ 2021-22 एतद द्वारा सर्व साधरण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक मुकेश कुमार रजक पिता परसराम रजक निवासी बलभद्र वाई तहसील भाटापारा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.) ग्राम अक्वरेडी प.ह.नं. 10 रा.नि.म. को तहसील भाटापारा में खसरा नं 12/32 रकबा 0.010 हेक्टर भूमि को आवासीय प्रयोजन के लिये छ.ग.भू.रा. सहिता 1959 की धारा 59(2) के तहत पुर्न निर्धारण करने हेतु बी-1, खसरा, नक्शा, ब्लू प्रिंट नक्शा सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया। उक्त भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु परिवर्तित करने में जिस किसी को आपत्ति/दावा हो तो प्रकरण नियत दिनांक 20.12.2021 तक आपत्ति/दावा प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत अवधि परचात प्राप्त आपत्ति/दावा पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 03.12.2021 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से जारी किया गया। अनुविभागीय अधिकारी (रा.) भाटापारा	// ईश्रतहार // राजस्व प्रकरण क्रमांक की-121/2021-22 ग्राम खेड़ा प.ह.नं.- 55 एतद द्वारा ग्राम खेड़ा के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका प्रफुल पाण्डेय पिता,पति चंद्रशेखर पाण्डेय जित्त ब्राम्हण निवासी खेड़ा तहसील व जिला मुंगेली निवासी ने अपने दादा की मृत्यु दिनांक 03/03/1993 को हो जाने एवं उप पंजीयक रा.प.चं./न.पा. खेड़ा के पंजी में दर्ज कराने हेतु आवेदन किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी को भी किसी प्रकार की कोई दावा/आपत्ति हो तो वह स्वयं या अभिभावक या प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 10.12.2021 को समय 11:00 बजे दिन को तहसील कार्यालय मुंगेली में दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 29.11.2021 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुद्रा से जारी किया गया। तहसीलदार मुंगेली (छ.ग.)	// ईश्रतहार // राजस्व प्रकरण क्रमांक की-121/2021-22 ग्राम खेड़ा प.ह.नं.- 55 एतद द्वारा सर्वसाधारण जन को सूचित किया जाता है कि आवेदिका बालिन बाई पति स्व. मोहनलाल कोसले निवासी वाई क्रमांक 20 तिन्दा नेवरा तहसील तिल्लि नेवरा जिला रायपुर द्वारा आवेदिका के पति स्व. मोहनलाल कोसले पिता स्व. कन्हैयालाल जो भारतीय श्वल सेना में सेवारत थे और दिनांक 25-03-1951 को सेवा से पृथक रहे सेवा के द्वारा आवेदिका के पति द्वारा भूमि गांव अथवा अन्य शासकीय योजना का लाभ नहीं लिया तथा ग्राम सामाखौली प.ह.नं.08 तहसील तिन्दा नेवरा सिमागा रोड पर खसरा नंवर 95/1 रकबा 2.0230हे. शासकीय भूमि रिक्त पड़ी है।जिसमें से 3 एकड़ लीज पर प्रदान करने माननीय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रायपुर से जांच कर आवेदन हेतु प्राप्त हुआ है। जिसकी सुनवाई न्यायालय तिन्दा में दिनांक 15.12.2021 को नियत है। इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को दावा/आपत्ति यह हो तो वह स्वयं या अभिभावक या अपने विनिमाय्य अधिकर्ता के द्वारा अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निमत तिथि बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 08/12/2021 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुहर से जारी किया गया। तहसीलदार तिन्दा-नेवरा

गौठान में गाय को नोच-नोच कर खा रहे कुत्ते

तिन्दा नेवरा। तिन्दा नेवरा क्षेत्र में गौठानों में लगातार गायों की मृत्यु की खबर रूक ही नहीं रही है। बरसात और खेती होने के कारण गौठान समिति दाना पानी का बहाना किया जा रहा था। लेकिन वर्तमान समय में सभी ग्राम पंचायत में भरपूर मात्रा में खरीफ फसलों की चारा उपलब्ध है इसके बावजूद तिन्दा अंतर्गत गौठान के बाहर फेंक दिया गया। वहीं सरपंच रूखमणी नंद कुमार निषाद ने कहा कि मैं अपने घर से पेरा लकर गो माता की सेवा करती हूं लेकिन मेरा घर दूसरे गांव में होने के कारण मैं गौठान जा नहीं पाई हूं जिसके कारण मैं देख नहीं पाया। यह महीने की मात्र दूसरी घटना है गौठान कि दरवाजा टूट जाने के कारण कुत्ते गाय को खा गए। प्रदेश सरकार द्वारा अपने हर सभा में मंच में गौठान मॉडल का राग अलापा जाता है और कहा जाता है कि गौठान माडल के माध्यम से सड़क पर गौवंश की मृत्यु बन्द हुई है । लेकिन उनके उलट यहां गौठान में ही गाय की लगातार मृत्यु हो रही है । तिन्दा भाजपा मण्डल अध्यक्ष ईश्वर यदु ने कहा कि यह घटना जो हृदयविदारक है प्रदेश सरकार की गौठान माडल का स्थिति बया कर रही है, वहीं तिन्दा भाजपा महामंत्री सौरभ जैन ने कहा कि प्रदेश स्तर के सात पंचायतों का स्तर भी निम्न हो गया है। गौवंश को जिस गौठान में कुत्ते नोचकर खा रहे हैं यही गौठान प्रदेश सरकार की नीयत को बया कर रही है।

फुटप्रिंट कम करना और भारत के लाखों लोगों को स्व-रोजगार के अवसर देना है। इब्लू ने एक बड़ा कदम

उठाते हुए यह घोषणा की है कि वह एक नये बिजनेस मॉडल में जाने के लिये तैयार है, जिसके तहत उसके मैन्पैक्टाइंगर प्लेटफॉर्म गोदावरी मोटर्स प्रा. लि. द्वारा ईवी का निर्माणमा किया जाएगा। यह प्लेटफॉर्म ई-साइकल्स , ई-स्कूटर्स, ई-बाइक्स, ई-ऑटो, ई-लोडर्स और ई-रिक्शा बनाएगा। इस उपक्रम में हिरा र्गपर ने चालू वित्त वर्ष में 5000 करोड़ रुपये से ज्यादा का टर्नओवर अर्जित किया है और इसकी फ्लैगशिप कंपनी गोदावरी पावर एंड इस्पात लिमिटेड बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध है, जिसमें 100 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश अक्विड है। कंपनी ने यह कदम लीजिंग मॉड्यूल में प्रवेश कर ईवी की बाजार में स्वीकार्यता को समझते हुए इस नये कदम पर अपनी बात रखते हुए, गोदावरी ई-मोबिलिटी प्रा. लि. के मैनेजिंग डायरेक्टर सिद्धार्थ अग्रवाल ने कहा, भारत में ईवी स्थाई वृद्धि कर रहे हैं, लेकिन अब भी शुरूआती अवस्था में हैं। गोदावरी ई-मोबिलिटी प्रा. लि. का लक्ष्य अपनी तरह के पहल हमारे लीजिंग मॉडल के माध्यम से ईवी सेगमेंट को बढ़ावा देना है। इस उपक्रम के साथ स्व-रोजगार देना और कार्बन फुटप्रिंट कम करते हुए समाज को प्रदूषण-रहित संपूर्ण मोटर परिवहन समाधानों से समृद्ध बनाना।

मं सोनी सिंह अग्निहोत्री सूचित करती हूं कि शादी (05.07.2018) से पूर्व मेरा नाम सोनी सिंह (Soni Singh) था, जोकि अब शादी के पश्चात मेरा नाम बदलकर सोनी सिंह अग्निहोत्री W/O आनंद अग्निहोत्री, निवासी 25 विवेकानंद कालोनी, पेयानबाड़ा, V.T.C. रायपुर, जिला-रायपुर घोषित करती हूं कि भविष्य में सभी कार्या एवं उद्देश्य हेतु मुझे सोनी सिंह अग्निहोत्री (Soni Singh Agnihotri) W/O आनंद अग्निहोत्री (Anand Agnihotri) के नाम से जाना और पहचाना जाए।

न्यायालय तहसीलदार सरायपाली जिला महामसुद (छ.ग.)

// ईश्रतहार //

सर्वसाधारण जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक लोकेश्वर पटेल पिता शिवरामसाद निवासी ग्राम डंजनिया तहसीलदार सरायपाली जिला महामसुद द्वारा उसके स्वयं के माताजी तुलसी बाई का मृत्यु दिनांक 15.03.1995 को ग्राम डंजनिया में हुआ है। उक्त मृत्यु का पंजीयन नहीं हो पाने के कारण उक्त तिथी में मृत्यु की घटना पंजीकृत किये जाने हेतु आवेदन इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का आक्षेप/दावा हो अथवा आवेदन प्रस्तुत करना हो तो वे स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 21.12.2021 को उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 06.12.2021 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार सरायपाली, जि. महामसुद

प्राथमिक शाला का निरीक्षण

कक्षा। जिला शिक्षा अधिकारी राकेत पाण्डेय द्वारा कक्षाएं ठीकासठईके के शासकीय प्राथमिक शाला बिकराना का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कक्षा तीसरी के विद्यार्थियों का शैक्षिक गुणवत्ता अंकलन किया गया। विद्यार्थियों का पठन एवं लेखन कोशर सतोषजनक नहीं पाया गया। कक्षा अध्यापनरत शिक्षिका श्रीमती मनीषा लोचरू को पंद्रह दिवस में विद्यार्थियों का गुणवत्ता स्तर सुधारने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने पंद्रह दिवस पश्चात अखलोक में स्तर उन्नयन नहीं पाए जाने पर अजुशरानात्मक कार्यवाही करने का निर्देश दिया।

श्रद्धिपत्र
कृपया इस समाचार पत्र के 07-09-2021 अंक में प्रकाशित दीवान धातुपिंसा फाइनर्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड की गंग सूचना विज्ञापन के पहले काल में दी गई जानकारी निम्नानुसार पढें : (एलसी नं. 00060619 हुबली शाला की) रायपुरा रेलवेस्टापा सनावावावावावावा (उपार्क) रेडिवापा हनामगथा सनावावावावावावा(सह-उपार्कना ५) विज्ञापन की शेष विषय-वस्तु पूर्वानुसार रचनी।

हम अशुविच के लिए खेद व्यक्त करते हैं।
विज्ञापन विभाग

कार्यालय सभद अधिकारी,
छात्राश्रम भू विभाग नाउल, रायड प्रथम प्रखे-01
सिरपुर भवन, छात्राश्रम परिसर कबीर नगर रायपुर (छ.ग.)
Email ID : ecgch@cgstate.gov.in

-: आम सूचना -:

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल द्वारा पं. दीनरथलाल उपाध्याय नगर रजनीयन रायपुर में निर्मित ई.डब्ल्यू. एस. योजना के अंतर्गत, एमसी-240 में से भवन/भूखण्ड क्रमांक ई. डब्ल्यू. एस-240 सेक्टर-4 में श्रीमती चेतना सांगोई पति श्री कमलेश सांगोई को स्वस्वित्वा/एकमुद्रत आभार पर आवंटित/नमांलित किया गया है। आवंटी द्वारा दिनांक 26.05.2011 को विक्रय वित्तख निर्णाधित कर लिया गया।

आवंटी और भवन/भूखण्ड के विक्रय हेतु दिनांक 21.10.2020 को निर्णाधित विक्रय इकरानामा की छात्रागित प्रस्तुत कर भवन/भूखण्ड श्रीमती लता चंद्रशेखरी पति श्री जयशेखर चंद्रशेखरी के नाम से विक्रय करने के लिए विक्रय अनुमति की मांग की है।

अतः किसी भी व्यक्ति शासकीय/ अर्द्धशासकीय संस्था इत्यादि को उक्त भवन/भूखण्ड के विक्रय के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आमसूचना प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर सम्बन्ध उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सभापति अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण नाउल
संपदा प्रथम प्रखे-1,
कबीर नगर रायपुर

बाबा साहेब डॉ अम्बेडकर की प्रतिमा में माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी



लवना। कर्मचारी ,अधिकारी समिति बलौदाबाजार ने विश्व रत्न, भारत रत्न, बोधिसत्त्व, ज्ञान का प्रतीक बाबा साहेब डॉ. भीम राव अम्बेडकर की 66 वीं महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर संयुक्त कार्यालय कलेक्टरेट परिसर एवं डॉ अम्बेडकर चौक बलौदाबाजार में स्थापित बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर की आदम कद प्रतिमा के सामने केंडल दीप जलाकर एवं माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन चढ़ा कर भवभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों ने प्रमुख रूप से दूजराम चतुर्वेदी से. नि. प्राचार्य, भूषण बंजारे से. नि. प्रधान पाठक, एच एस जोशी प्राचार्य, डॉ प्रभूकि गिलहरे प्रान्ताध्यक्ष छ ग वरिष्ठ व्याख्याता संघ, गणेश बघेल ब्लॉक अध्यक्ष प्रगतिशील छ.ग सतनामी समाज, मुद्गा ननहरे समन्वयक, ओमप्रकाश कोशले प्रधान पाठक, हरबंश कोसले परियोजना अधिकारी, दर्यादद कोसले प्रान्ताध्यक्ष छग कर्मचारी अधिकारी प्रकोष्ठ, आर के खांडेकर सहा प्राध्यापक, संतोष सोनवला प्रधान पाठक, देवेंद्र चतुर्वेदी, आशिक मांडते ब्लॉक अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ, शत्रुहन बंजारे प्रधान पाठक, देवनाल मांडते, सतीश भारद्वाज समन्वयक, महिपाल जोशी, विजय बांधे, महेंद्र वरसल, सहित बड़ी संख्या में प्रह्व्र जन उपस्थित हुए।

स्वयं सेवकों ने किया कोविड टीकाकरण जागरूकता रैली

पायनियर संवाददाता < शिवरीनारायण
www.dailypioneer.com

ग्राम पंचायत मुडपार मे रासेयो के विशेष शिविर के चतुर्थ दिवस स्वयं सेवकों ने कोविड टीकाकरण जागरूकता रैली का आयोजन हाई स्कूल के छात्र छात्राओं के साथ मिलकर सब तिहार बाब बार , टीकाकरण एक बार जैसे नारों के साथ गांव की सभी गलियों में गाजे बाजे के साथ भ्रमण करते हुये ग्राम वासियों को जागरूक किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो जी एन भतपरे, हाई स्कूल मुडपार के प्राचार्य जे एल टाण्डे , गांव के सरपंच माण्डले, प्रो उत्तरा निराला, व्याख्याता साव के साथ मिलकर छात्र छात्राओं ने कोविड का दोनो डोज लगाने के लिये प्रेरित किया। आज के बौद्धिक परिवर्चा में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो भतपरे जी ने भारतीय लोकतंत्र मे



युवाओं की भूमिका को विस्तार से बताते हुये युवा शक्ति के महत्व को स्वयं सेवकों को परिचित कराया। हाई स्कूल प्राचार्य टाण्डे ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों व स्वयं सेवकों के कार्य व्यवहार को राष्ट्रीय एकाता हेतु सभी के लिये अनुकरणीय बताया। इस सात दिवसीय शिविर मे स्वयं सेवकों के द्वारा शिक्षा,स्वाथ्य, नारी, स्वयं सेवक संदीप पटेल ने रासेयो और व्यक्तिव विकास पर संबोधित किया।

रहा है। द्वितीय दिवस के बौद्धिक परिचर्चा में महाविद्यालय के सेवानिवृत्ति प्राचार्य डा ए आर बंजारे, ने भारतीय संविधान की महता पर प्रे्रक उद्धोधन देकर स्वयं सेवकों को संविधान के प्रति निष्ठ रखने के लिये कहा। उनके द्वारा उपस्थित छोटे बच्चों व छात्र छात्राओं को संविधान से संबंधित ज्ञान वर्षक पुस्तकों का वितरण भी किया गया। वही वरिष्ठ स्वयं सेवक संदीप पटेल ने रासेयो और व्यक्तिव विकास पर संबोधित किया।

छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज टापोरेशन लिमिटेड, रायपुर

// ई-प्रोवायोरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना (निर्माण प्रकोष्ठ) website-www.cgmsc.gov.in //				
Main Portal-http://eproc.cgstate.gov.in			क्र./7410/निर्माण/2021	दिनांक 08/12/2021
सक्र.	नि.आ.सू.क्र.	कार्य का नाम	राशि (रु. लाख)	निविदा आमंत्रण
1	4774	जिला चिकित्सालय बिलासपुर में 20 बिस्तर आईसोलेशन बाई निर्माण कार्य।	70.25	द्वितीय
2	4775	जिला जशपुर के ड्रग वेयर हाउस में स्पेशल रिपेयरिंग, मैन इलेक्ट्रिकल पैन्ल बोर्ड, केबल कार्य एवं सेंटनेस एवं रिपेयर कार्य।	6.03	द्वितीय
3	4776	जिला कोरिया के सिविल अस्पताल मेनट्रान्द्रा में 10 बिस्तर आईसोलेशन बाई निर्माण कार्य।	34.64	द्वितीय
4	4777	जिला सुर्गपुर के सामुदायिक स्वा. केन्द्र टेटोरी में 10 बिस्तर आईसोलेशन बाई निर्माण कार्य।	34.64	द्वितीय
5	4778	जिला बलरामपुर के सामुदायिक स्वा. केन्द्र राजपुर में 10 बिस्तर आईसोलेशन बाई निर्माण कार्य।	34.64	द्वितीय
6	4779	जिला गरियाबंद वि.ख. मैन्पुर के गहाडीह में उप. स्वा. केन्द्र का (शेष कार्य) निर्माण कार्य।	20.42	द्वितीय
7	4780	जिला गरियाबंद के वि.ख. देवभोग के सुपेखेड़ा में उप. स्वा. केन्द्र का (शेष कार्य) निर्माण कार्य।	16.69	द्वितीय
8	4781	जिला बलौदाबाजार के सामुदायिक स्वा. केन्द्र सिमगा में 10 बिस्तर आईसोलेशन बाई निर्माण कार्य।	34.64	द्वितीय
9	4782	जिला रायपुर के सामुदायिक स्वा केन्द्र गौरा-नवागढ़ में 10 बिस्तरिय आईसोलेशन बाई निर्माण कार्य।	35.34	द्वितीय
10.	4783	जिला महामसुंद के जिला अस्पताल में ट्रांजिट हॉस्टल का निर्माण कार्य।	66.10	द्वितीय
11.	4784	जिला बलौद वि.ख. गुण्डरदेही के ग्राम बलौटी में प्राथमिक स्वा. केन्द्र भवन निर्माण कार्य।	57.96	द्वितीय
12.	4785	जिला दुर्ग वि.ख. निरुम के ग्राम खुसुल में प्राथमिक में प्राथमिक स्वा. केन्द्र भवन निर्माण कार्य।	57.96	द्वितीय
13.	4786	जिला दुर्ग वि.ख. निरुम के ग्राम रामगढ में प्राथमिक स्वा. केन्द्र भवन निर्माण कार्य।	57.96	द्वितीय
14.	4787	जिला दुर्ग के धमधानका में शहरी प्राथमिक स्वा. केन्द्र भवन निर्माण कार्य।	69.83	द्वितीय
15.	4788	जिला दुर्ग वि.ख. निरुम के ग्राम अंजोरा में उप स्वा. केन्द्र भवन निर्माण कार्य।	26.55	द्वितीय
16.	4789	जिला भोपेरा वि.ख. नवागढ़ के ग्राम बैजलपुर में उप स्वा. केन्द्र भवन निर्माण कार्य।	26.55	द्वितीय
17.	4790	जिला क्षेत्र दुर्ग के अंतर्गत विभिन्न लघु उपनगर एवं मरम्मत कार्य हेतु जौलल अनुबंध निविदा।	100.00	द्वितीय
18.	4791	जिला दुर्ग के जिला चिकित्सालय में ट्रांजिट हॉस्टल का निर्माण कार्य।	66.10	द्वितीय
19.	4792	जिला कबीरधाम के जिला चिकित्सालय में ट्रांजिट हॉस्टल का निर्माण कार्य।	66.10	द्वितीय
20.	4793	जिला राजनंदगांव के जिला चिकित्सालय में ट्रांजिट हॉस्टल का निर्माण कार्य।	66.10	द्वितीय
21.	4794	जिला राजनंदगांव के सामुदायिक स्वा. केन्द्र छुर्गिया में 10 बिस्तर आईसोलेशन बाई निर्माण कार्य।	34.64	द्वितीय
22.	4795	जिला राजनंदगांव के सामुदायिक स्वा. केन्द्र डोगरगांव में 10 बिस्तर आईसोलेशन बाई निर्माण कार्य।	34.64	द्वितीय
23.	4796	जिला कबीरधाम के सामुदायिक स्वा. केन्द्र बोडला में 10 बिस्तर आईसोलेशन बाई निर्माण कार्य।	34.64	द्वितीय
24.	4797	जिला चिकित्सालय कवर्धा में टू-नॉट लैव स्थाना कार्य।	30.91	द्वितीय
25.	4798	जिला दुर्ग वि.ख. पाटन के बोर्डर में उप स्वा. केन्द्र भवन निर्माण कार्य।	25.82	द्वितीय
26.	4799	जिला राजनंदगांव, वि.ख. छुईखदान के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र चिरौली में 02 नम 2जी टाईप स्टॉफ क्वार्टर निर्माण कार्य।	57.65	द्वितीय
27.	4800	जिला चिकित्सालय बीजापुर में 20 बिस्तर आईसोलेशन बाई निर्माण कार्य।	70.25	द्वितीय
28.	4801	जिला बीजापुर वि. ख. उरूरू के इलमिड्री में प्राथमिक स्वा. केन्द्र का शेष निर्माण कार्य।	44.76	द्वितीय
29.	4802	जिला सुकमा वि. ख. छिंदगढ़ के अतकौरात में उप स्वा. केन्द्र भवन का शेष निर्माण कार्य।	17.35	द्वितीय
30.	4803	जिला राजनंदगांव के डोंगरगढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में मॉडल माइड्यूटर मरस्यू यूनित का निर्माण कार्य।	20.27	तृतीय
31.	4804	जिला कबीरधाम के सामुदायिक स्वा. केन्द्र पिपरिया में 10 बिस्तर आईसोलेशन बाई निर्माण कार्य।	34.64	तृतीय
32.	4805	जिला कवर्धा के वि.ख. बोदला के हाथीडोब में उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन का निर्माण कार्य।	25.82	तृतीय
33.	4806	जिला चिकित्सालय दुर्ग में टू-नॉट लैव स्थाना कार्य।	30.91	तृतीय
34.	4807	जिला राजनंदगांव के सिविल अस्पताल, खेरागढ़ में 10 बिस्तर आईसोलेशन बाई निर्माण कार्य।	34.64	तृतीय
35.	4808	जिला दुर्ग के सिविल अस्पताल, सुपेला में 10 बिस्तर आईसोलेशन बाई निर्माण कार्य।	34.64	तृतीय
36.	4809	जिला दुर्ग के जिला चिकित्सालय में 20 बिस्तर बिस्तर आईसोलेशन बाई निर्माण कार्य।	70.25	तृतीय
37.	4810	जिला गरियाबंद, वि.ख. मैन्पुर के भैसुडूी में उप स्वा. केन्द्र भवन निर्माण कार्य।	26.55	तृतीय
38.	4811	जिला गरियाबंद, वि.ख. राजिम के देवरी में उप स्वा. केन्द्र भवन निर्माण कार्य।	26.55	तृतीय
39.	4812	जिला भोपेरा के सामुदायिक स्वा. केन्द्र नवागढ़ में 10 बिस्तर आईसोलेशन बाई निर्माण कार्य।	34.64	चतुर्थ
40.	4813	जिला दुर्ग के सामुदायिक स्वा. केन्द्र कुमारी में 10 बिस्तर आईसोलेशन बाई निर्माण कार्य।	34.64	चतुर्थ
41.	4814	जिला कटिहर के सिविल अस्पताल पखांजूर में 10 बिस्तर आईसोलेशन बाई निर्माण कार्य।	34.64	चतुर्थ
42.	4815	जिला नारायणपुर के सामुदायिक स्वा. केन्द्र ओछा में 10 बिस्तर आईसोलेशन बाई निर्माण कार्य।	34.64	चतुर्थ
43.	4816	जिला बस्तर, वि.ख. लोहणडीगुड़ा के प्राथ. स्वा. केन्द्र मारडूम में 01 नमर 2 एच एवं प्राथ. स्वा. केन्द्र बिना में 01 नमर 2 एच टाईप स्टॉफ क्वार्टर निर्माण कार्य।	52.12	पंचम
44.	4817	जिला रायपुर के शहरी सामुदायिक स्वा. केन्द्र खोखोराया में 10 बिस्तर आईसोलेशन बाई निर्माण कार्य।	34.64	पंचम
45.	4818	जिला गरियाबंद के सामुदायिक स्वा. केन्द्र देवभोग में 10 बिस्तर आईसोलेशन बाई निर्माण कार्य।	34.64	पंचम
46.	4819	जिला राजनंदगांव, वि.ख. छुईखदान के कोपरो में उप स्वा. केन्द्र भवन का निर्माण कार्य।	25.82	षष्ठ
47.	4820	जिला गरियाबंद, वि.ख. मैन्पुर के खजुरपट्टर में उप स्वा. केन्द्र भवन का निर्माण कार्य।	25.82	सप्तम
48.	4821	जिला गरियाबंद, वि.ख. मैन्पुर के तेतलखुटी में उप स्वा. केन्द्र भवन का निर्माण कार्य।	25.82	सप्तम
निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी उपरोक्त वेबसाइट पर दिनांक 19/12/2021 से देखी जा सकती है। उपरोक्त कार्यों की निविदा लो.नि.वि. (2015) की दर से आमंत्रण की जा रही है जिसकी अंतिम तिथि दिनांक 24/12/2021 तक है। निविदा खोलने की सूचना वेबसाइट www.cgmsc.gov.in में देखी जा सकती है।				
संवाद - 30714/1			अधीक्षक अभियंता	

मकड़जाल की तरह फैल रहा अवैध प्लाटिंग का कारोबार

ग्राम एवं नगर निवेश विभाग के नियमों का नहीं हो रहा पालन

■ कृषि जमीनों को भू-माफिया प्लाट कटिंग कर रहे का करोड़ों वारा-न्यारा

पायनियर संवाददाता < भाटापारा
www.dailypioneer.com

शहर का चौतरफा विकास और बढ़ती आबादी से शहरीकरण का दिनोदिन व्यवसायीकरण होता चला जा रहा है। जिसके परिणामस्वरूप अवैध प्लाटिंग शहर से लगे बाहरी सरहदों में तेजी के साथ मकड़ी के जाल की भांति फैलता जा रहा है। कृषि जमीनों को खरीद कर भू-माफिया उक्त जमीन को प्लाट कटिंग कर करोड़ों रूपयों के जमीन में तब्दील कर रहा है। जहाँ शासन के बनाए मापदण्डों नीति निर्देशों का भी खुला उल्लंघन कई जगहों पर हो रहा है। गौरतलब है कि शासन प्रशासन के नजर में कई जगह अवैध प्लाटिंग के रूप में चिन्हांकित है परंतु नगर पालिका के अंतर्गत सडक, बिजली, जल सुविधा उपलब्ध करा दी जाती है। अगर ऐसा होता है तो कौन से मापदण्ड से इन अवैध प्लाटों को यह सरकारी सुविधा उपलब्ध करा दी जाती है।



ग्राम तथा नगर निवेश का भी उल्लंघन

शासन ने अवैध प्लाटिंग पर कडाई से रोक लगाने आदेश जारी कर रखा है लेय आउट स्वीकृति कराए बगैर जमीन पर प्लाटिंग नहीं हो पाएगा। साथ ही टाउन एवं कंट्री प्लानिंग है जिसे शासन उक्त जमीन को राजस्व रिकार्ड में शामिल कर प्रमाणित करता है। इसी के आधार पर जमीन मालिक उस भूमि में मकान बनाने हेतु शुरू किया जाता है। जबकि टाउन एवं कंट्री प्लानिंग के अंतर्गत जमीन का पंजीयन कराए जाने के उपरांत डायवर्सन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाता है।

अनापति प्रमाण पत्र के आधार पर हो जाता है डायवर्सन

खरीदे गए प्लाट को आवासीय जमीन में तब्दील करने के लिए डायवर्सन कराना अनिवार्य रहता है डायवर्सन वह प्रक्रिया है जिसे शासन उक्त जमीन को राजस्व रिकार्ड में शामिल कर प्रमाणित करता है। इसी के आधार पर जमीन मालिक उस भूमि में मकान बनाने हेतु शुरू किया जाता है। जबकि टाउन एवं कंट्री प्लानिंग के अंतर्गत जमीन का पंजीयन कराए जाने के उपरांत डायवर्सन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाता है।

कृषि जमीन को आवासीय जमीन में तब्दील करने में होता है लाखों का वारा न्यारा
शहर में आये से ज्यादा प्लाट अवैध प्लाट के गिरफ्त में हैं। गौरतलब है कि भू माफियों द्वारा काटे जा रहे अनेकों ऐसे अवैध प्लाट हैं जो नियम से छनबीन किया जाए तो अवैध प्लाटिंग के अंतर्गत आ सकता है परंतु प्रशासन के दूलमूल रवेया के चलते बहुत से ऐसे प्लाट पडे हैं जिसपर कडाई से कार्यवाही नहीं किए जाने से सांठगांठ का आरोप भी लगता रहा है।

प्लाट खरीददार सोच समझ कर करें निवेश

शहर में अवैध प्लाटों के बाढ़ आ जाने से अनेकों बार देखा जाता है आम सामान्य वर्गों का लाखों करोड़ रुपया फँस जाता है इन्हीं सब बातों को ध्यान में रखते हुए प्लाट खरीददार भू माफियों की गिरफ्त में फंसने के पहले हर पहलुओं को ध्यान में रखकर अपने जीवन के लाखों करोड़ रुपए की राशि को निवेश करें। निवेश करने से पहले ध्यान रखना जरूरी होता है उक्त प्लाट रजिस्ट्री युक्त, डायवर्सन युक्त एवं जमीनों के प्लांटेशन में पानी, बिजली, नाली, सडक, पार्किंग, गार्डन उक्त मूलभूत सुविधाओं का समावेश होना अति आवश्यक होता है। जो कि बहुत से प्लाटों में देखने को नहीं मिलता। जिसके कारण बाद में निवेश करने के बाद प्लाट खरीददार को अनेक प्रकार के तकलीफों का सामना करना पड़ता है बाद में वही अवैध प्लाट में मकान निर्माण के बाद अवैध कालोनी के श्रेणी में गिना जाता है।

टाऊन एन्ड कंट्री प्लानिंग विभाग ने कहा

सम्बंध में टाऊन एन्ड कंट्री प्लानिंग विभाग के अधिकारी बीएल.बांधे ने कहा है कि 2006 में एक आदेश निकला था कि नगपा को एनओसी एक निश्चित दायरे के अंतर्गत अधिकार दिया जाये परंतु नगर पालिका वैध अवैध प्लाट का किस आधार पर मूल्यांकन कर एनओसी प्रदान किया जा रहा है इसका कोई जानकारी नहीं दिया गया है ,वही विभाग द्वारा नगपा को फाईल रेगुलर कराने कि चिट्ठी भेजा गया परंतु आज पर्यंत तक उक्त जानकारी भी नहीं सीपा गया है। वही किसी प्लाट के एनओसी देने से पहले नियमतः ले आऊट का होना अवश्यक होता है, ग्राम एवं नगर निवेश विभाग के पास केवल लैंड यूस आवेदक आते है वही टाऊन एन्ड कंट्री प्लानिंग के अंतर्गत रजिस्ट्रेशन नहीं हो से 15 व ईडब्ल्यूएस का नुकसान होता है, 10प्र. गार्डन के लिये छोड़ते है उसका भी नुकसान शासन को होता है ।

शहर में कहीं भी अवैध प्लाटिंग होने पर पालिका प्रशासन पंजीयन हेतु नोटिस देता है व नोटिस के उपरांत अवैध प्लाटिंग नहीं रोके जाने पर जब्ती की प्रक्रिया की कार्यवाही किया जाता है।
-रितेश, इंजीनियर, नगर पालिका

होटल मैनेजमेंट के गुर सीखेंगे खनन प्रभावित क्षेत्र के युवा



पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ पर्यटन की दृष्टि से देश में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। पर्यटन स्थलों पर बड़े निजी होटलों सहित शासकीय मोटल्स में काम के लिए प्रशिक्षित युवाओं की मांग हमेशा बनी रहती है। ऐसे में होटल मैनेजमेंट के पाठ्यक्रमों से युवाओं के लिए रोजगार के अच्छे अवसर सृजित हो सकते हैं। इसे देखते हुए राज्य सरकार ने गरीब और खनन प्रभावित क्षेत्रों के बारहवीं कक्षा पास विद्यार्थियों को राज्य होटल प्रबंधन संस्थान (स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट में प्रवेश दिलाकर उन्हें रोजगार से जोड़ने की पहल की है। राज्य सरकार की मदद से पर्यटन की संभावनाओं से भरे कोरबा जिले के दस युवा अब शासकीय मदद पर होटल मैनेजमेंट के गुर सीखेंगे। युवाओं के शिक्षण शुल्क, हॉस्टल शुल्क और मेस आदि का खर्चा जिला प्रशासन द्वारा जिला खनिज न्यास मद से वहन किया जाएगा। होटल मैनेजमेंट के तीन

पाठ्यक्रमों के लिए दस विद्यार्थियों के लिए पूरे कोर्स के दौरान डीएमएफ मद से 29 लाख 64 हजार 200 रूपए खर्च किए जाएंगे। कलेक्टर रानू साहू ने बताया कि चार विद्यार्थी का दाखिला होटल एडमिनिस्ट्रेशन के डिग्री कोर्स में और तीन-तीन विद्यार्थी का दाखिला फूड प्रोडक्शन और फूड एवं वेबरेज सर्विसेज पाठ्यक्रमों में कराया गया है। त्रिविध्या डिग्री कोर्स में एक विद्यार्थी पर पांच लाख 24 हजार 900 रूपए का खर्चा होगा। इसमें से तीन लाख 28 हजार 700 रूपए इंस्टीट्यूट की फीस आदि और शेष रूपए आवास तथा मेस पर व्यय होगा। इसी प्रकार डेढ़ साल के फूड प्रोडक्शन डिप्लोमा कोर्स के लिए प्रति छात्र एक लाख 50 हजार 350 रूपए इंस्टीट्यूट और फूड और वेबरेज सर्विसेज के डेढ़ साल के डिप्लोमा कोर्स में दाखिला लेने वाले विद्यार्थी पर एक लाख 37 हजार 850 रूपए व्यय किया जाएगा। इस राशि में शिक्षण शुल्क और आवास, खान-पान आदि का व्यय शामिल है।

भाजपा की पहचान विकास वाली और कांग्रेस की पहचान वादाखिलाफी वाली पार्टी की: पुरंदेश्वरी

पायनियर संवाददाता < दुर्ग
www.dailypioneer.com

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय महामंत्री व प्रदेश प्रभारी डी. पुरंदेश्वरी, सह प्रभारी नितिन नबीन और



को नगरीय निकाय चुनाव की दृष्टि से दुर्ग प्रवास पर रहे। इस दौरान प्रदेश प्रभारी डी. पुरंदेश्वरी, सह प्रभारी नितिन नबीन और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय ने दुर्ग सम्भाग खैरागढ़, मारो, जामुल प्रभारियों की बैठक सहित भिलाई, भिलाई चरौदा और रिसाली नगर निगम प्रत्याशियों की अलग अलग बैठक ली और चुनाव को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान प्रभारियों और प्रत्याशियों ने विजयी संकल्प के साथ जीत के लक्ष्य के साथ चुनावी रण में उतारने संकल्प लिया। भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री व छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभार डी. पुरंदेश्वरी ने कहा कि विकास के मुद्दों के साथ जनता के बीच जाना है जनता के बीच हमारी विकास करने वाली पार्टी के रूप में पहचान हैं और जनता को भाजपा पर विश्वास हैं। कांग्रेस की पहचान वादा खिलाफी और विकास को बाधित करने वाली हैं जनता समझ चुकी हैं जनता

तुलनात्मक अध्ययन करती हैं जनता के अध्ययन में वादा खिलाफी करने वाली कांग्रेस फैल हो चुकी हैं। आज जनता पुछ रही हैं संपत्तिकर हाफ का क्या हुआ, पट्टे का क्या हुआ, दो कमरे का मकान कहा है? प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ आज छत्तीसगढ़ की जनता को कांग्रेस सरकार की गलत नीति और बदलापुर की भावना के चलते नहीं मिल रहा हैं। घर घर जल को लेकर छत्तीसगढ़ सरकार गम्भीर नहीं हैं। मूलभूत सुविधाओं को लेकर छत्तीसगढ़ सरकार विफल हैं, इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में कोई एक उपलब्धि प्रदेश सरकार के पास नहीं हैं। भाजपा प्रदेश प्रभारी डी. पुरंदेश्वरी ने कहा कि भाजपा विकास के मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएगी, भाजपा का एक एक प्रत्याशी एक एक कार्यकर्ता विकास को लेकर जनता के बीच जाएगा और विकास के आधार पर ही भाजपा की जीत निकाय चुनाव में तय हैं वादाखिलाफी करने वाली

लगातार जनता को छलने वाली उगने वाली सत्ताधारी कांग्रेस के झूठ और फरेब का घमंड टूटेगा। भाजपा का एक एक कार्यकर्ता एकजुटता के साथ चुनावी रण में विजयी संकल्प के साथ उतर चुका हैं अब किसी में साहस नहीं कि भाजपा के विजयी संकल्प के साथ निकल चुके रथ को रोक सके। उन्होंने कहा कि उनमें साहस हो भी नहीं सकता क्योंकि भ्रष्टाचार में लगे कांग्रेस के लोगों ने विकास के नाम पर मिट्टी खेला तक नहीं खला जो सड़कें बनी हैं वो भी हमारे समय में बनी हैं विकास के नाम पर कांग्रेस विफल रही हैं। छत्तीसगढ़ के सह प्रभारी नितिन नबीन ने कहा कि सत प्रतिशत सीट जीत का संकल्प आज अपने अपने क्षेत्र में जाए। कम समय में बेहतर मैनेजमेंट के साथ रणनीति बना कर जनता के बीच जाएं, जनता से सीधा संपर्क करें। निरंतर सम्पर्क जनजुड़ाव और जनता से सीधा संवाद स्थापित करें। प्रधानमंत्री अन्न योजना का लाभ मोदी जी ने दिया, भूपेश जी ने 7 लाख 50 हजार प्रधानमंत्री आवास छीन लिया। प्रधानमंत्री ने नि:शुल्क वैक्सिन दी, कांग्रेस भ्रम फैलाती रही। कोरोना काल में संकट में केन्द्र सरकार के कार्य और राहत जनता के सामने हैं।

भाजपा नेताओं से चुनाव संभल नहीं रहा पुरंदेश्वरी को मोर्चा संभालना पड़ा: सुशील आनंद

भारतीय जनता पार्टी की छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी डी.पुरंदेश्वरी के चुनावी दौरे पर प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद सुजला ने कहा कि गुटबाजी में डूबी भारतीय जनता पार्टी के छत्तीसगढ़ के नेताओं से नगरीय निकाय चुनाव भी नहीं संभाला जा रहा इसीलिये राष्ट्रीय प्रभारी को स्वयं मोर्चा संभालना पड़ा है।



भारतीय जनता पार्टी की स्थिति पुरंदेश्वरी के मोर्चा संभालने से सुधरने के बजाय और बिगड़ेगी। छत्तीसगढ़ की जनता पुरंदेश्वरी के अपमानजनक बयान को भुली नहीं हैं। छत्तीसगढ़ को अपमानित करने वाला पुरंदेश्वरी का धुक्के वाला बयान भी मुद्दा। भाजपा प्रभारी ने कहा था भाजपा के लोग धूक कर भूषेष्ठ बघेल और उनके मंत्रिमंडल को बहा देंगे। राज्य की स्वभिमानि जनता भाजपा प्रभारी के इस बयान को पूरे छत्तीसगढ़ का अपमान माना था। भूषेष्ठ बघेल सिर्फ कांग्रेस के नेता नहीं हैं। मुख्यमंत्री के रूप में वे राज्य की पौने तीन करोड़ जनता के मुखिया भी हैं। पुरंदेश्वरी ने उनके बारे में अश्रद्ध भाषा का प्रयोग कर छत्तीसगढ़ की अस्मिता को ललकारा था। उसका खामियाजा भाजपा को झुगतना पड़ेगा। भाजपा मुख्यमंत्री भूषेष्ठ बघेल और उनके पूरे मंत्रिमंडल के खिलाफ बेहद घटिया मानसिकता का परिचय देने वाली अपनी प्रभारी पुरंदेश्वरी के प्रभार में नगरीय निकाय चुनाव में करारी हार के लिए तैयार रहे।

छत्तीसगढ़ को टाइम लिमिट में जूट बारदाने देने का आग्रह करने दिल्ली पहुंचे मनरेगा आयुक्त मोहम्मद कैसर अब्दुल हक

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ राज्य को समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए भारत सरकार से बारदाने की समयबद्ध आपूर्ति सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से आज 8 दिसम्बर को नई दिल्ली में केन्द्रीय संयुक्त सचिव, खाद्य सार्वजनिक वितरण प्रणाली व उपभोक्ता मामले सुबोध सिंह एवं संचालक सार्वजनिक वितरण प्रणाली राजेश मीणा से छत्तीसगढ़ मनरेगा आयुक्त मोहम्मद कैसर अब्दुल हक तथा विपणन संघ के प्रबंधक शशांक पाण्डेय ने मुलाकात की। मोहम्मद कैसर अब्दुल हक ने संयुक्त सचिव भारत सरकार को छत्तीसगढ़ राज्य में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन और बारदाने की उपलब्धता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जूट कमिश्नर भारत सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य को बारदाने न केवल बहुत कम मात्रा में दिए जा रहे हैं, अपितु इसकी स्वीकृत मात्रा की समय पर आपूर्ति भी नहीं की जा रही है। मोहम्मद कैसर अब्दुल हक ने संयुक्त सचिव, भारत सरकार को

अवगत कराया कि छत्तीसगढ़ राज्य में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन एक दिसम्बर को शुरू हो गया है। छत्तीसगढ़ को माह नवंबर में 1.38 लाख गटान एवं माह दिसंबर 2021 तक कुल 2.14 लाख गटान नये जूट बारदाने जूट कमिश्नर के माध्यम से प्राप्त होने थे, किन्तु माह नवंबर 2021 में राज्य को मात्र एक लाख गटान एवं माह दिसंबर, 2021 में अब तक कुल 1.11 लाख गटान जूट बारदाने ही प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार छत्तीसगढ़ को आवश्यकता की तुलना में न केवल जूट बारदानों की कम आपूर्ति की जा रही है, अपितु स्वीकृत मात्रा की समयबद्ध आपूर्ति भी नहीं की जा रही है, जबकि समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन हेतु प्रस्तावित कार्ययोजना के अनुसार नये जूट बारदाने की समयबद्ध आपूर्ति अत्यन्त महत्वपूर्ण है। मोहम्मद कैसर अब्दुल हक ने छत्तीसगढ़ राज्य हेतु नये जूट बारदाने की आपूर्ति संख्या में वृद्ध करने एवं इसकी समयबद्ध आपूर्ति हेतु संबंधितों को आवश्यक निर्देश देने का अनुरोध संयुक्त सचिव, भारत सरकार से किया।

साथ मे काम करने वाला दोस्त ही निकला हत्यारा, मृतक के बाईक के जरिये ही आरोपी तक पहुंच पाई पुलिस

कांकेरा। जिले के परखांजूर क्षेत्र में सप्ताह भर पहले हुए युवक के अंधे कत्ल के अंजाम देने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसमें दोस्त ही



निकला हत्यारा थाना परखांजूर क्षेत्र के ग्राम उडुमगांव के ओतेनगुला पुलिस में 30 नवम्बर 2021 को युवक बैसखुराम की खून से सनी लाश मिली थी। जिसके बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दी थी। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बैसखुराम बोर गाड़ी में पजेट का काम करता था और स्थानीय ग्रामीणों को बोर गाड़ी में काम दिलवाता था, बैसखुराम ने घसियाराम को भी बोर गाड़ी में काम दिलवाया था लेकिन काम के बदले मिलने वाली रकम 15 हजार रुपये देने में आनाकानी कर रहा था, जिसको लेकर दोनों के बीच विवाद था, 29 नवम्बर को बैसखुराम और घसिया की मुलाकात अचानक मानपुर में हो गई,

जिसके बाद फिर दोनों के बीच पैसे को लेकर बात हुई, बैसखुराम ने गांव से लौटकर पैसे देने की बात कही थी, जिस पर घसिया ने भी उसके साथ गांव चलने की बात कही, दोनों बैसखुराम की बाइक पर गांव के लिए रवाना हुए। वहीं रास्ते में घसियाराम ने पेशाब जाने के लिए गाड़ी रुकवाई और बैसखुराम के सिर पर अज्ञात पास रखे टंगिया से मारकर उसकी हत्या कर दी। हत्या करने के बाद आरोपी घसियाराम मृतक बैसखुराम की बाइक और उसके पास रखे रकम 10 हजार रुपये को लेकर पसार हो गया था। जिसके बाद पुलिस जांच पड़ताल शुरू की तो मृतक के बाइक के जरिये ही पुलिस आरोपी तक पहुँच पाई पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि मृतक के पास जैसी बाइक थी वैसी ही बाइक गांव का ही एक युवक चला रहा है। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी के गांव में दक्षिण देकर उसे गिरफ्तार किया है।

दक्षिण बस्तर के बाद अब उत्तर बस्तर के बेचाघाट में खुल रहे बीएसएफकैम्प का ग्रामीणों ने किया विरोध, भारी संख्या में अनिश्चित कालीन आंदोलन पर बैठे

पायनियर संवाददाता < कांकेर
www.dailypioneer.com

जिले के परखांजूर क्षेत्र के छोटे बेठिया के हजारों ग्रामीणों द्वारा आज कैम्प के विरोध पर्दशन करते हुए धरने पर बैठ गये है। बता दे कि दक्षिण बस्तर के बाद अब आदिवासियों ने उत्तर बस्तर में भी जंगी आंदोलन शुरू कर दिया है आदिवासियों ने छोटेबेठिया के बेचाघाट में से अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू कर दिया है। बेचाघाट क्षेत्र के लगभग 200 गांवों के ग्रामीण महिला पुरुष विरोध करने पहुंचे है। आदिवासियों का कहना है कि बेचाघाट में सरकार पुन बनाने और बीएसएफकैम्प खोलने की तैयारी कर रही है जिसका हम आदिवासी खुला विरोध करते है साथ ही उनका कहना है कि पूर्वजो से आदिवासी जल, जंगल, जमीन और प्राकृतिक खनिज संपदा की रक्षा करते आ रहे है और सरकार ये पुल हमारी सुविधा के लिए नहीं बना रही है।बल्कि इलाके के जल,जंगल,जमीन और खनिज संपदा को



लूटने के लिए पुल का निर्माण कर रही है। बीएसएफ कैम्प खुलने से सुरक्षाबल के इलाके में जाकर

ग्रामीणों के साथ मारपीट करते है व कि ग्रामीणों की सुरक्षा करते है।आदिवासी ग्रामीण जवानों से अपने को असुरक्षित महसूस करते है।ग्रामीणों का कहना है कि अंदरूनी गांवों में बिजली, पानी, शिक्षा, चिकित्सा जैसे मूलभूत सुविधाएं सुहैया कराने में असफल रही सरकार अब पुलिस बनावकर जल,जंगल,जमीन और खनिज संपदा लूटने के लिए पुलिस बना रही है। हम आदिवासी इसका विरोध करते है।जबतक सरकार अपने फैसले से पीछे नहीं हटती और बीएसएफकैम्प खुलने और पुलिस बनाने का निर्णय वापस नहीं लेती तबतक यहां पर अनिश्चितकालीन आंदोलन में डंटे रहेंगे।

SHRI BALAJI INSTITUTE OF NURSING
RAIPUR (C.G.)

WALK IN INTERVIEW

M.SC. NURSING STAFF REQUIREMENT

Psychiatric Name	2	Professor/Asso.Prof
	2	Asst. Prof
Med. Surgical Nursing	2	Professor/Asso.Prof.
	2	Asst. Prof
Community Health Nursing	2	Professor/Asso.Prof.
	2	Asst.Prof
Child Health Nursing	2	Professor/ Asso.Prof.
	2	Asst. Prof.
Tutor	4	Minimum 1 Year exp.

Note : Experience : Professor 10 yr. 7 yr. Teaching, Associate Professor 8 yr. 5 yr Teaching, Assistant Professor 3 yr Teaching

MOWA, RAIPUR (C.G.) Mob : 9827118884, 7694016816

E-Mail : sbsonraipur@rediffmail.com



SHRI BALAJI
Institute of Nursing

छ.ग. शासन, छ.ग. नर्सिंग कॉन्सिल से मान्यता प्राप्त. छ.ग. आयुष विश्वविद्यालय से संबंध एवं छ.ग. पैरामेडिकल कॉन्सिल से अनुमति

ADMISSION OPEN



NURSING
PROGRAMME



PARAMEDICAL
PROGRAMME

B.Sc Nursing	4 years	Pathology technician	1 year
Post Basic Bsc Nursing	2 years	Operation theater tech.	1 year
M.Sc. Nursing	2 years	X-Ray technician	1 year
Medical Surgical Nsg.		Ortho and dresser tech.	1 year
Community Health Nsg.			
Child Health Nsg.			
Mental Health Nsg.			



HOSTEL FACILITY AVAILABLE FOR GIRLS & BOYS

मोवा, रायपुर (छ.ग.) मो. 7694016816, 8435018884, 9826242559

फोन : 0771-4241095 | वेब : www.balajinursingcollege.com

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक भोजराम पटेल द्वारा आसमा पब्लिसर्स इण्डिया प्रायवेट लिमिटेड पीएनबी के सामने जयसंभ चौक रायपुर, छत्तीसगढ़ से मुद्रित तथा श्री बालाजी हॉस्पिटल कैम्पस (मोवा) रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001 से प्रकाशित संपादक-अच्युतानन्द द्विवेदी* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, डाक पंजीयन नं. छ.ग./रायपुर संभाग/97/2021-23, दूरभाष नंबर 0771, 2972403